केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 204 सोमवार 17 फरवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

डीएम, एसपी ने किया रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।जिलाधिकारी रवीश गुप्ता और पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया ।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी सदर, थानाध्यक्ष पुरानी बस्ती, प्र0 जीआरपी व आरपीएफ के अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

धोखाधड़ी कर रुपया हड़पने का आरोप, मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में केस दर्ज किया है। सिकटा गनेशपुर निवासी आदित्य कुमार शुक्ला तहरीर में बताया है कि उनके गांव का रहने वाला रमेश कुमार मुम्बई में एक कम्पनी का संचालन करता है। आरोप है कि उसने अपनी कम्पनी में पैसा इन्वेस्ट करने की सलाह दिया। उन्होंने 31 अगस्त 2022 से 24 मार्च 2024 के बीच अलग–अलग तारीखों में उसके बताए खाते में सात लाख 42 हजार 560 रुपया भेज दिया। आरोपी रमेश ने उन्हें सोयाबीन बनाने के लिए एक मशीन दी, जिसे उसने अपने बहनोई पंकज के सहयोग से बेच दिया। उन्होंने पैसा मांगा तो धमकी दी गई। उनकी तहरीर पर रमेश समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है।

रोज जाम से हांफता है गांधीनगर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के हृदयस्थली कहे जाने वाली गांधीनगर में पर्किंग की व्यवस्था नहीं है। नगर पलिका की ओर से जाम से निपटने के लिए कोई समुचित पर्किंग स्थल नहीं होने से परेशानी होती है। शहर के प्रमुख चौक चौराहा जाम की समस्या से परेशान हैं। जांच के चलते गांधीनगर से पैदल निकलने में भी काफी समस्या होती है।

लेखपाल की बाइक चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया। कस्बे के अंबेडकरनगर वार्ड से एक लेखपाल की बाइक चोरी हो गई। पुलिस मामले में मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दिया है। हर्रैया तहसील में कार्यरत लेखपाल गौरव कुमार ने शनिवार को हर्रैया पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि पावर हाउस के सामने एक किराये मकान में रह रहे हैं। शनिवार को सुबह आठ बजे आवास पर देखा कि उनकी बुलेट गाड़ी गायब थी।

डाट पड़ी तो घर से भाग गया किशोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली पुलिस ने डांटने पर नाराज होकर घर से निकलने के बाद लापता हो गया। परिजनों ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई है। बेलगढ़ी निवासी रेनू ने तहरीर में बताया है कि 12 फरवरी को घर के काम को लेकर उन्होंने अपने बेटे विकास चौधरी (15) को डांटा तो वह नाराज होकर कहीं चला गया। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला। कोतवाल ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर खोजबीन की जा रही है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से 18 की मौत, 20 घायल

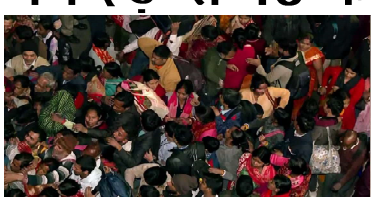

नई दिल्ली (आभा)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में कम से कम 18 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने अपनी शुरुआती जांच में पाया है कि यात्री श्प्रयागराज एक्सप्रेस और प्रयागराज स्पेशलश के बीच भ्रमित हो गए थे। ट्रेन छूटने के डर से यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई, जिसके चलते 18 लोगों की मौत हो गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, यात्री दोनों ट्रेन के बीच इसलिए भ्रमित हो गए क्योंकि दोनों के प्रारंभिक नाम 'प्रयागराज' से घोषणा हुई थी। उन्होंने बताया कि स्टेशन पर घोषणा हुई कि 'प्रयागराज स्पेशल' प्लेटफार्म 16 पर आने वाली है, इसलिए ट्रेन का इंतजार कर रहे लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई क्योंकि प्रयागराज एक्सप्रेस पहले ही प्लेटफार्म 14 पर आ चुकी थी।

सूत्रों ने बताया कि प्लेटफार्म 14 पर पहुंचने वाले लोगों को लगा कि उनकी ट्रेन प्लेटफार्म 16 पर आ रही है, इसलिए वे उस ओर दौड़ पड़े जिससे भगदड़ मच गई। पुलिस सूत्र ने बताया कि इसके अलावा, वहां प्रयागराज जाने वाली चार ट्रेन भी पहले से ही मौजूद थीं, जिनमें से तीन देरी से चल रही थीं और इस कारण वहां अप्रत्याशित भीड़ एकत्र हो गई।

मरने वाले 18 में से 10 लोग बिहार से ही हैं। इनमें समस्तीपुर तीन, नवादा के दो, पटना, वैशाली, बक्सर और सारण के एक–एक लोग शामिल हैं। वहीं एक महिला भी बिहार की मूल निवासी हैं। लेकिन, वह दिल्ली में ही रहती थीं। भगदड़ में मरने वालों में छह महिलाएं, तीन बच्चे और एक पुरुष शामिल हैं।

समस्तीपुर जिले के ताजपुर थाना क्षेत्र के कोठिया गांव के रहने वाले एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतक में गांव के विजय शाह उनकी पत्नी कृष्णा देवी और उनकी नातिन सुरुचि कुमारी 15 शामिल है।

पुलिस मुठभेड़ में अपहर्ता गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुंडेरवा थानाक्षेत्र से युवक का अपहरण कर भाग रहे बदमाशों का पुलिस टीम ने पीछा किया। हाईवे पर थाना छावनी, थाना मुंडेरवा की पुलिस, स्वाट और एसओजी टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की और अपहर्ताओं को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने शनि शर्मा निवासी कीर्तिपुर थाना पैकोलिया को हाईवे पर बबुरहवा के पास भोर में करीब चार बजे गिरफ्तार किया। उसके पास से एक अदद तमंचा, एक खोखा बरामद हुआ। मुठभेड़ के दौरान शनि शर्मा के दाहिने पैर में गोली लगी। उसे प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी विक्रमजोत लाया गया। उसके खिलाफ मुंडेरवा थाने में अपहरण का मुकदमा दर्ज है। मुठभेड़ व गिरफ्तारी के दौरान एसओ छावनी भानु प्रताप सिंह, एसओ मुंडेरवा द्वारिका प्रसाद चौधरी, प्रभारी स्वाट संतोष कुमार, प्रभारी एसओजी चंद्रकांत पांडेय, प्रभारी सर्विलांस शशिकांत, चौकी प्रभारी रितेश कुमार सिंह, एसआई झारखंड पांडेय, एसआई अजय पांडेय चौकी खझौला, कांस्टेबल अवनीश,

पवन तिवारी, अभिलाश, शुभेन्द्र, रमेश, धर्मेन्द्र, इरशाद खान आदि शामिल रहे।

बताते चलें कि मुंडेरवा थानाक्षेत्र के बिल्लौर निवासी श्यामसुंदर (35) पुत्र मेहीलाल को शनिवार की रात उस समय पटखौली के पास से अपहरण कर लिया गया था, जब वह गांव के पारसनाथ चौधरी की मौत बाद अयोध्या में हए दाह संस्कार से लोट रहा था। पटखौली के पास कार से आए बदमाशों ने उसे शाकर से मारकर घायल किया और गाड़ी बैठा लिया। दूसरे साथी ने गुहार लगाई और पुलिस को सूचना दिया। उसकी सूचना पर मुंडेरवा पुलिस ने बदमाशों का पीछा करना शुरू किया। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर थाना छावनी, स्वाट व एसओजी टीम भी पीछे लगी और रविवार भोर में बबुरहवा के पास मुठभेड़ में अपहर्ता को दबोच लिया।

सेवा के साथ पेड़ वाले बाबा गौहर अली ने लगाये 25 आम के पौध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पेड वाले बाबा के नाम से प्रसिद्ध गौहर अली के संयोजन में रविवार को भदावल के मिनी बोटैनिकल गार्डन में सूखे हुए पौधों को रिप्लेस करके नए आम के भिन्न–भिन्न प्रकार के 25 पौधों को लगाया गया। कुछ पौधे पिछले बारिश में जल जमाव के वजह से सूख गए थे । पौधों की नीराई गुडाई के साथ पौधों के लिए थाला बनाया गया जिससे एक बार सिंचाई करके कई दिनों तक नमी बरकरार रहे। गुलाब खास, चौसा, कपूरी ,आम्रपाली ,जर्दालू (बिहार का मशहूर आम) गौर जीत , फजली आदि के पौध रोपे गये।

गौहर अली ने कहा कि कुछ लोग पौधों को काटने पर तुले हुए हैं हमलोग पौधों को लगाने और उन्हें संरक्षण करने पर तुले हैं । पर्यावरण रक्षा के लिये सरकार से लेकर समाज सबको आगे आकर जमीनी धरातल पर ठोस उपाय करने होंगे। पौध रोपण और पौधों की नीराई गुडाई में गौहर अली के साथ मुख्य रूप से ग्राम प्रधान रोशन अली, अमन, प्रभाकर सिंह, चन्द्रभान, अमानु आदि ने योगदान दिया।

477 परिषदीय विद्यालयों का निपुण असेसमेंट टेस्ट सोमवार से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के 477 परिषदीय विद्यालयों का निपुण आकलन सोमवार से किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने बताया कि पहले चरण में 179 विद्यालयों का आकलन हो चुका है जिसमें अधिकतर विद्यालय निपुण पाए गए हैं। बताया कि सरकार द्वारा निपुण भारत अभियान चलाया गया है। विशेष जोर परिषदीय स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर है। इसके जरिए बच्चों को हिंदी एवं गणित में निपुण किया जा रहा है। बताया कि राज्य परियोजना कार्यालय के निर्देश के क्रम में डीएलएड प्रशिक्षुओं की ड्यूटी आकलन के लिए लगाई गई है। निपुण भारत मिशन के प्रभारी डायट प्रवक्ता अलीउद्दीन खान ने बताया कि निपुण एसेसमेंट टेस्ट 17 फरवरी से शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेगा। डायट प्रशिक्षुओं को असेसमेंट के लिए विद्यालय आवंटित कर दिए हैं वह अपने – अपने आवंटित विद्यालय का आकलन करेंगे। बताया कि पूरे जनपद से असेसमेंट के लिए 477 विद्यालय चयनित किए गए हैं जिसमें बस्ती सदर के 50, बनकटी के 36, कुदरहा के 33, सल्टौआ के 51, रामनगर के 46, साऊँघाट के 32, गौर के 42, रुधौली के 38, कप्तानगंज के 17, परसरामपुर के 26, दुबौलिया के 27, हरैया के 25, विक्रमजोत के 30, बहादुरपुर के 24 विद्यालय शामिल हैं। बताया कि डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा ऑनलाइन एप के माध्यम से जो असेसमेंट किया जाएगा उसकी सूचना सीधे राज्य परियोजना कार्यालय को जाएगी।

महाकुंभ में माघी पूर्णिमा जैसा रेला, अधिकारियों की तैनाती अवधि बढायी गई, प्रयागराज में उमड़े श्रद्धालु

प्रयागराज (आभा)। महाकुंभ में माघी पूर्णिमा के बाद भी स्नान के लिए लोगों का रेला लगातार आ रहा है। माघ के प्रमुख स्नानों जैसी भीड़ अब हर दिन नजर आ रही है। ऐसे में मेला प्रशासन लगातार नए–नए प्लान पर काम कर रहा है। अलग अलग जिलों से मेला क्षेत्र में संबद्ध किए गए अफसरों की तैनाती भी बढ़ा दी गई है। ज्यादातर अफसरों को 15 फरवरी तक के लिए यहां भेजा गया था। अब यह अफसर 27 फरवरी तक यहां तैनात रहेंगे। इस बाबत प्रमुख सचिव की तरफ से आदेश जारी हो गया है।

शासन की तरफ से मौनी अमावस्या पर भगदड़ के बाद 29 जनवरी से 15 फरवरी तक के लिए कानपुर नगर के अपर जिलाधिकारी आशुतोष कुमार दुबे, हरदोई के अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी, बस्ती के अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान और युवा कल्याण निदेशालय में संयुक्त निदेशक अशोक कुमार कन्नौजिया को तैनात किया गया था। अब यह चारों अफसर 27 फरवरी तक यहां तैनात रहेंगे।

महाकुंभ आने का क्रेज किस कदर लोगों पर हावी है, इसका उदाहरण नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार की रात भी देखने को मिला है। महाकुंभ आने के लिए यहां भारी भीड़ के कारण भगदड़ मची

और 18 लोगों की जान चली गई। नई दिल्ली जैसी स्थिति यूपी के स्टेशनों से लेकर बिहार और झारखंड के स्टेशनों पर देखने को मिल रही है। सड़क मार्ग से भी लगातार लोगों का महाकुंभ में आना जारी है।

सरकार के पूर्वानुमान को पीछे छोड़ते हुए महाकुंभ में अब तक करीब 52 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं। इसके बावजूद देश दुनिया से तीर्थराज का रुख करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कोई कमी नजर नहीं आ रही है। स्नान पर्वो को छोड़ दें तो भी हर रोज संगम में एक करोड़ के आसपास श्रद्धालु स्नान कर रहे हैं। प्रयागराज की सड़कों पर श्रद्धालुओं की भीड़ रात दिन देखी जा रही है।

रेल प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये सैकड़ों स्पेशल ट्रेनों का संचालन कर रहा है। नई दिल्ली से प्रयागराज के लिए स्पेशल वंदेभारत भी चलाई जा रही है। वहीं उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम ने हजारों बसों को तीर्थराज के लिये लगाया है। इसके बावजूद ट्रेनें ठसाठस भरी आ और जा रहीं है। बसों में भी यात्री खड़े होकर सफर कर रहे हैं। प्रयागराज हवाई अड्डे पर रात दिन विमानों के लैंड और टेक ऑफ का सिलसिला बरकरार है। हजारों की संख्या में निजी वाहन प्रयागराज को जोड़ने वाले राजमार्ग पर जाम के हालात पैदा कर रहे हैं। बावजूद इसके श्रद्धालुओं के उत्साह में कहीं कोई कमी नजर नहीं आ रही है।

45 दिन तक चलने वाले महाकुंभ का समापन 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर अंतिम स्नान पर्व के साथ हो जायेगा। पहले अनुमान जताया जा रहा था कि माघ पूर्णिमा के बाद स्नान करने वालों की संख्या में कमी आयेगी मगर 144 साल बाद पड़ रहे इस महापर्व पर एक बार स्नान की मंशा लिये लोग प्रयागराज की ओर बढ़े चले आ रहे हैं और ऐसे में महाकुंभ के अंतिम दिन तक भीड़ कम होने के कोई आसार नहीं है।

अधिकृत सूत्रों के अनुसार रविवार सुबह दस बजे तक 59 लाख 55 हजार श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके थे जिन्हें मिला कर अब 51 करोड़ 47 लाख से अधिक श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। सरकार ने इससे पहले 45 करोड़ लोगों के प्रयागराज आगमन का अनुमान जताया था।

महाकुंभ पर इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस प्रशासन की भूमिका की चहुंओर सराहना हो रही है हालांकि पुलिस बेरीकेडिंग के कारण श्रद्धालुओं का पैदल सफर लंबा हो रहा है वहीं करोड़ों की संख्या में स्नान के बावजूद संगम के जल की गुणवत्ता बरकरार बनी हुयी है।

अमेरिका से पहुंचे अवैध प्रवासी, हाथों में हथकड़ी, जंजीरों से जकड़े थे पैर

नई दिल्ली (आभा)। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए 116 भारतीयों को लेकर यूएस आर्मी का विमान शनिवार देर रात अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। इसके बाद यूएस से लाए गए लोगों से पूछताछ कर उन्हें अपने–अपने घर भेजा गया। अमेरिका से डिपोर्ट लोगों में होशियापुर का दलजीत सिंह भी शामिल है। दलजीत सिंह ने अमेरिकी सेना की तरफ से उनके साथ किए गए दुर्व्यवहार का खुलासा किया है। दलजीत ने बताया कि इस बार भी भारतीय लोगों को यूएस आर्मी के जहाज में अपराधियों की तरह लाया गया है। सभी लोगों के हाथों को हथकड़ियों और पैरों को बेड़ियों से बांधा गया था। वहीं पकड़े जाने के बाद उनके मोबाइल फोन भी सेना ने जब्त कर लिए थे। मोबाइल न होने की वजह से वह परिवार वालों से कई दिनों तक बात नहीं कर पाए।

होशियारपुर जिले के गांव कुराला कलां निवासी दलजीत सिंह ने कहा कि हमारे पैरों में बेड़ियां डाली गई थीं और हाथ भी हथकड़ियों से बांध दिए गए थे। दलजीत सिंह ने बताया कि वे अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने के लिए डंकी रूट से गए थे। उनकी पत्नी कमलप्रीत कौर ने आरोप लगाया कि उनके पति को एक ट्रैवल एजेंट ने धोखा दिया है। एजेंट ने दलजीत को अमेरिका की सीधी उड़ान का वादा किया था, लेकिन बाद में उन्हें कई जगहों से होते हुए डंकी रूट के जरिये यूएस भेजा गया। रास्ते में उन्हें यातनाएं झेलनी पड़ी। जब वे अमेरिका के बॉर्डर पर पहुंचे तो वहां यूएस आर्मी ने उन्हें पकड़ लिया और अब डिपोर्ट कर वापस भारत भेज दिया गया है।

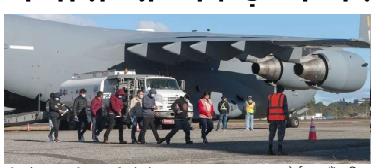

अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड किए गए यूएस विमान से उतरे सभी प्रवासिय लोगों की एयरपोर्ट पर ही कागजी कार्रवाई और पृष्ठभूमि जांच के बाद उन्हें पुलिस सुरक्षा के बीच घर भेजा गया। पंजाब के रहने वाले लोगों को रविवार सुबह 4.30 बजे पुलिस सुरक्षा में उनके घर लाया गया। हरियाणा सरकार ने भी अपने राज्य के प्रवासियों के लिए विशेष परिवहन व्यवस्था की।

सूत्रों के मुताबिक अमेरिका से एक और विमान भारतीय प्रवासियों को लेकर आ रहा है। यह तीसरा विमान भी अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड करेगा।

लगाना था उद्योग, बनवा लिये मकान प्लास्टिक काम्पलेक्स बदहाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सरकार औद्योगिक क्षेत्र में सड़कें बनाती है। विद्युतीकरण, पार्क और ग्रीन बेल्ट से सुसज्जित करती है। बैंक, डाकघर, स्वास्थ्य केंद्र, पुलिस चौकी, व्यवसाय विकास केंद्र, फील्ड–हॉस्टल, शॉपिंग मॉल, एक्सपो–सेंटर, स्कूल–कॉलेज की सुविधाएं देती है। परंतु बस्ती का औद्योगिक क्षेत्र सिर्फ नाम का रह गया है। इस क्षेत्र में 180 भूखंड उद्यमियों के लिए बनाए गए हैं। दो पार्कों की जगह छोड़ी गई है। परंतु 80 भूखंडों पर अवैध तरीके से लोगों ने घर बनवा लिए। पार्क बदहाल हो गया है। शुरुआती दौर में यहां प्लास्टिक फैक्ट्रियां स्थापित हुईं तो इसका नाम 'प्लास्टिक काम्पलेक्स पड़ गया। इस औद्योगिक क्षेत्र में 180 भूखंड बनाए गए ।दो पार्कों की स्थापित किए गए थे। इस औद्योगिक क्षेत्र की स्थिति दिन–प्रतिदिन बदहाल होती जा रही है। औद्योगिक क्षेत्र सिर्फ नाम का रह गया है। इस क्षेत्र में लगभग 80 भूखंडों पर उद्योग नहीं लगाए गए।

उद्योग लगाने के लिए आवंटित किए गए भूखंडों पर आवंटियों ने उद्योग लगाने की जगह आवास बनवा लिया है। भूखंडों की स्थिति में हुए बदलाव पर जिम्मेदार अधिकारी मौन हैं। औद्योगिक क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय, यूपीसीडा गोरखपुर के अधिकारी भूखंड की स्थिति में बदलाव को संज्ञान नहीं ले रहे हैं। जिला प्रशासन भी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहा है। कुछ भूखंडों पर झाड़–झंखाड़ उगे हुए हैं। यह हालात नए उद्यमियों के लिए बाधा बन रहे हैं। उद्यमियों का कहना है कि आवंटित भूखंड पर कई वर्षों से लोगों ने कब्जा कर रखा है। औद्योगिक क्षेत्र में टूटी नालियां, गंदगी और जलभराव बड़ी समस्या है। जलभराव के कारण सड़क पर फैले कीचड़ की दुर्गंध से लोग परेशान रहते हैं।

औद्योगिक क्षेत्र में दो पार्क की जगह बनाई गई थी। स्थापना के चार दशक बीतने के बाद भी पार्क अपनी पहचान नहीं बना पाए। इस क्षेत्र के अधिकारियों ने पार्क पर कोई बोर्ड तक नहीं लगवाया है। इस कारण दोनों पार्क अपनी पहचान के मोहताज हैं। इस क्षेत्र में स्थित पार्क में राख की ढेर लगी हुई है। यहां के कारखानों से निकली राख और गंदगी को इसी पार्क वाली जगह पर डंप कर दिया जाता है। हवा चलने पर यही राख यहां काम करने वालों की आंखों में पड़ती है। यहां के लोगों के लिए आंखों की बीमारी आम है। राख की समस्या से उद्यमी, कर्मी और मजदूर सभी परेशान रहते हैं। कई बार अधिकारियों से इसकी शिकायत भी की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई।

भाकियू ने किया गन्ना मूल्य 500 रूपया प्रति क्विंटल करने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को भारतीय किसान यूनियन की बैठक लोहिया मार्केट परिसर में जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में किसान समस्याओं पर व्यापक विचार विमर्श के साथ ही अधिकारों के लिये संघर्ष की रूप रेखा पर विचार किया गया।

भाकियू के पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप कुमार चौधरी, प्रदेश सचिव दिवान चन्द पटेल, पूर्वान्चल उपाध्यक्ष शोभाराम ठाकुर, मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र कुमार चौधरी, मण्डल उपाध्यक्ष जयराम चौधरी आदि ने बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार किसान हितों के प्रति गंभीर नहीं है। वक्ताओं ने मांग किया कि गन्ने का मूल्य 500 रूपया प्रति क्विंटल करने के साथ ही फसल सुरक्षा के लिये जंगली और जानवरों पर रोक लगाया जाय। कहा कि सरकारी स्तर पर संचालित गौशालायें आवारा पशुओं को नियंत्रित करने में अक्षम है। भाकियू नेताओं ने एक स्वर से कहा कि पशु बाजार को फिर से शुरू कराया जाय। इसके बंद होने से किसानों को काफी असुविधा हो रही है। भाकियू की बैठक में फसलों का उचित मूल्य

–बैठक में उठे मुद्दे, मांगे न मानी गई तो आन्दोलन की चेतावनी

दिये जाने, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू किये जाने, खेती किसानी में बढती लागत को देखते हुये मूल्य तय किये जाने, मुण्डेरवा चीनी मिल द्वारा फैलाये जा रहे प्रदूषण को नियंत्रित करने आदि का मुद्दा छाया रहा। वक्ताओं ने यह भी कहा कि चीनी मिले किसानों को समय से भुगतान नहीं दे रही हैं और गन्ना पर्ची के लिये भी किसानों को भटकना पड़ रहा है। वाल्टरगंज चीनी मिल पर वर्षो से बकाया राशि गन्ना किसानों को नहीं मिली। अठदमा चीनी मिल द्वारा भी किसानों का भुगतान समय से नहीं किया जा रहा है।

भाकियू की बैठक में खतौनी को प्रति वर्ष बनवाये जाने, डाटा अपलोड किये जाने और खतौनी, आधारकार्ड, बैंक पास बुक के मिलान में आ रही समस्याओं के त्वरित निदान हेतु व्यवस्था किये जाने की मांग उठायी गई। वक्ताओं ने कहा कि यदि मांगे न मानी गई तो भाकियू निर्णायक आन्दोलन को बाध्य होगी।

बैठक में मुख्य रूप से राम चन्द्र चौधरी, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, रमेश चौधरी, जगदीश प्रसाद, रामशव्द, रामपाल सिंह, ब्रम्हदेव, विनोद कुमार, राम केवल वर्मा, चन्द्र प्रकाश चौधरी, जगदम्बा प्रसाद, सूर्य नरायन, आज्ञा राम, भरत शर्मा, राम बहाल के साथ ही भाकियू के अनेक पदाधिकारी, सदस्य शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 फरवरी 2025 सोमवार

सम्पादकीय

विवादों में निर्वाचन आयोग

भारत निर्वाचन आयोग लगातार विवादों में है। पिछले कुछ वर्षों में उसकी निष्पक्षता पर अनेक बार सवाल उठे हैं। जिस प्रकार के आरोप उस पर लगते रहे हैं, वह देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए ठीक नहीं है। आयोग ईवीएम से जुड़ीं शिकायतें आज तक दूर नहीं कर सका है। गौरतलब है कि वर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त अगली अठारह फरवरी को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। अब नई नियुक्ति केंद्र की ओर से वर्ष 2023 में लाए गए नए कानून के तहत हो सकती है। इस पर भी सवाल उठे हैं। इस मुद्दे पर शीर्ष न्यायालय का कड़ा रुख दिख रहा है। उसने इस संबंध में दायर याचिकाओं पर सुनवाई की तारीख तय करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि इस बीच कुछ भी घटित होता है, तो उसके परिणाम अवश्य भुगतने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाया था कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, प्रधान न्यायाधीश और नेता प्रतिपक्ष की स्वतंत्र समिति करे, पर सरकार ने समिति से प्रधान न्यायाधीश को हटा दिया और उनकी जगह किसी मंत्री को सदस्य बना दिया। यह चुनावी लोकतंत्र के विरुद्ध माना गया। अब चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति केंद्र की इच्छा पर निर्भर हो गई है। विरोध इसी बात का है।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से नागरिकों का जिस तरह भरोसा कमजोर हुआ है, वह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उचित नहीं कहा जा सकता। दागी नेता आज भी चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन आयोग उन्हें रोक नहीं पा रहा। वहीं आचार संहिता के उल्लंघन पर कार्रवाई में उसकी निष्पक्षता संदिग्ध दिखती है। मतदाता सूची में गड़बड़ी के भी गंभीर आरोप हैं। वह चाहे जितनी दलीलें दे, लेकिन हकीकत है कि कई राजनीतिक दल और मतदाता ईवीएम से संतुष्ट नहीं हैं।

आयोग ईवीएम में संग्रहीत आंकड़े बताने तक से इनकार करता रहा है। अब सुप्रीम कोर्ट ने आयोग से कहा है कि ईवीएम में संग्रहीत आंकड़ों को न हटाया जाए। दरअसल, हरियाणा कांग्रेस के नेताओं ने याचिका दायर की है कि जली हुई ईवीएम की 'मेमोरी' और 'माइक्रोकंट्रोलर' को इंजीनियर से सत्यापित किया जाए कि ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं हुई है। मगर यहां सवाल सत्यापन से अधिक संदेह का है। आरोपों से घिरे आयोग को जवाब देना ही होगा।

गुम होते ग्लेशियर

अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक, ग्लेशियर चूंकि प्राकृतिक मीठे पानी के भंडार के रूप में काम करते हैं और पृथ्वी की जलवायु तथा जल चक्र को विनियमित करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं, ऐसे में, ग्लेशियरों के पिघलने से मीठे पानी की उपलब्धता, वितरण और पारिस्थितिकी तंत्र पर भारी असर पड़ता है। एक नया अध्ययन बताता है कि अरुणाचल प्रदेश में, पूर्वी हिमालय के एक हिस्से में पिछले 32 साल यानी करीब तीन दशक में 110 ग्लेशियर नष्ट हो गये। शोधकर्ताओं के एक समूह द्वारा अध्ययन में यह पाया गया कि ये ग्लेशियर 1988 से 2020 की अवधि में सालाना 16.94 वर्ग किलोमीटर की वापसी की दर से गायब हो गये. यही नहीं, ग्लेशियरों के झील बनने और इनके फटने से अब बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है।

अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक, ग्लेशियर चूंकि प्राकृतिक मीठे पानी के भंडार के रूप में काम करते हैं और पृथ्वी की जलवायु तथा जल चक्र को विनियमित करने में बड़ी भूमिका निभाते हैं, ऐसे में, ग्लेशियरों के पिघलने से मीठे पानी की उपलब्धता, वितरण और पारिस्थितिकी तंत्र पर भारी असर पड़ता है. इससे बाढ़ का खतरा भी बढ़ जाता है, जैसा कि 2023 में सिक्किम में आयी आपदा के रूप में देखा गया था, जिसमें कम–से–कम 55 लोग मारे गये थे और 1,200 मेगावाट की एक जलविद्युत परियोजना नष्ट हो गयी थी।

नगालैंड विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा किया गया यह अध्ययन जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस में प्रकाशित हुआ है. शोधकर्ताओं ने ग्लेशियर की सीमाओं का मानचित्रण करने के लिए तवांग से लेकर लोहित तक अरुणाचल प्रदेश के कई जिलों में रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली का इस्तेमाल किया. ग्लेशियरों का पीछे हटना, जाहिर है, वैश्विक जलवायु परिवर्तन का एक प्रमुख संकेतक है. यह वह प्रक्रिया है, जिसमें ग्लेशियर नयी बर्फ और बर्फ के जमा होने की तुलना में तेजी से पिघलते हैं।

अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि 32 साल की अवधि के दौरान ग्लेशियरों की संख्या 756 से घट कर 646 रह गयी.। ग्लेशियर कवर 585.23 वर्ग किलोमीटर से घट कर 309.85 वर्ग किलोमीटर रह गया, जो 47 फीसदी से अधिक का नुकसान है. अध्ययन में एक चिंता की बात यह है कि हिमालय के ग्लेशियर वैश्विक स्तर पर अन्य ग्लेशियरों की तुलना में तेजी से पिघल रहे हैं. उसमें भी पूर्वी हिमालय में ग्लेशियरों के पिघलने की दर वैश्विक औसत से अधिक है. ग्लेशियर क्षेत्रीय जल सुरक्षा को बनाये रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और लाखों लोगों को जीवित रखने वाली नदियों के लिए महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में काम करते हैं. ऐसे में, बेहतर निगरानी प्रणाली, टिकाऊ जल प्रबंधन और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने की नीति अपनायी जाये, ताकि बचे ग्लेशियरों को बचाया जा सके।

चरित्र वाला वायरस सबसे खतरनाक

—अभिनय आकाश—

लगा अगर गेहूं में कीड़ा बाहर से मंगवाओगे,
घुना हुआ चरित्र देश का इसे कहाँ से लाओगे।

हम सभी का बचपन ऐसी कहानियों को पढ़कर, सुनकर बीता है जब छत्रपति शिवाजी महाराज का एक सेनानायक दुश्मन की एक महिला को लूट लाया और कहा कि आपके लिए मैं इस खूबसूरत लड़की को लेकर आया हूँ। तो शिवाजी ने उस सेनानायक को डांटा और उस लड़की से कहा कि मैं अपने सेनापति की ओर से क्षमा चाहता हूं। आप बड़ी खूबसूरत हैं, मेरी माँ भी आप जैसी सुंदर होतीं तो मैं भी आप जैसा सुंदर होता। ऐसा कहने वाला शिवाजी हमें पढ़ाया गया। आपसे एक सवाल करूं कि भगवान से कौन बड़ा है? भगवान से मां बड़ी है, जिसने भगवान पैदा किया है। इसलिए तुलसीदास जी भी शुरुआत में ही प्रणाम करते हुए कहते हैं बंदउँ कौसल्या दिसि प्राची। प्राची दिशा के समान कौशल्या हैं उन्हें प्रणाम करता हूं जिनकी कोख से सूर्यवंशी राम पैदा हुए। प्रभुराम को जब 14 सालों का वनवास हुआ तो जब वो अपनी मां के पास गए तो कौशल्या ने पूछा क्या हुआ तो उन्होंने ये नहीं कहा कि मां मुझे जंगल भेज दिया गया। भरत को राजा बना दिया। सिंहासन छीन लिया गया। राम ने कहा कि पिता देहि मोहि कानन राजू यानी पिता ने मुझे जंगल का राज दे दिया। मैं जंगल का राजा बन गया। जहँ सब भाँति मोर बड़ काजू यानी जहां मेरे सारे बड़े काम प्रतीक्षा कर रहे हैं। मतलब अपने 14 बरस के वनवास को भी इतनी सहजता से प्रस्तुत करने वाले राम ही हो सकते हैं। ये बनाते है मकसद है कि हमारी जड़े कहां से

जुड़ी हैं। भारत एक पारिवारिक और संस्कारों का देश है। इस समय भारत में सबसे पवित्र महाकुंभ का समय चल रहा है। देश के करोड़ों परिवार अपने माता पिता और बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा पर ले जा रहे हैं। भारत श्रवण कुमार का देश है और यहां माता पिता को पूजनीय माना जाता है। लेकिन जिस समय देश के करोड़ों परिवार महाकुंभ की आस्था में डूबे हुए हैं। देश के कुछ यूट्यूबर माता पिता को लेकर बहुत ही अभ्रद्र और अश्लील टिप्पणी करता है। इसने बड़ी आसानी से वो शब्द कह दिए लेकिन हम उन शब्दों को आपके सामने कह नहीं सकते। हम आपके परिवार की आस्था और संस्कारों को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते। हम इस शो के दौरान न तो इन यूट्यूबर का नाम लेंगे और क्योंकि हम इसे वायरल नहीं करना चाहते। हम इसे वो नहीं देना चाहते जो ये चाहता है। हम इसके व्यूज नहीं बढ़ाना चाहते जो ऐसे लोग चाहते हैं। न ही हमें इसे कोई विलेन बनाने की मंशा है। बस हम ये बताना चाहते हैं कि ऐसे लोग भारत के संस्कारों का अपामन करने हैं। फिर कानूनी एक्शन होने पर माफी मांगते हैं, थोड़ा आसूं बहा लेते हैं। कुछ महीने या दिन की जेल काट अपने मेन गोल को प्राप्त कर जाते हैं।

आजकल आपने एक शब्द सोशल मीडिया इंफ्लूएंशर्स खूब सुना होगा। या फिर यूट्यूबर्स या रील्स बनाने वाले। पिछले कुछ वर्षों में यूट्यूबर्स की एक नई पौड़ आ गई है। जो पॉडकास्ट बनाती है। वीडियो बनाती है और उनके जबरदस्त व्यूज भी आते हैं। ये नए जमाने का मीडिया है जिसमें बड़े बड़े नेता, बड़े बड़े खिलाड़ी, सिलेब्रेटी यहां जाते हैं और इंटरव्यूज देते हैं। बहुत सारे तो कहते हैं कि इतनी लोकप्रियता मीडिया से भी बढ़ रही है। ये लोग जनता की पसंद पर अपना कंटेंट नहीं बनाते बल्कि एल्गोरिदम के हिसाब से तय करते हैं। वो गणित ये कहता है कि जितनी ज्यादा अश्लील बातें आप करेंगे। जितने ज्यादा अश्लील वीडियो आप बनाएंगे। जितने ज्यादा नए नए विवाद आप पैदा करेंगे। उतने ज्यादा व्यूज आपको मिलेंगे। उतने ज्यादा आप वायरल होंगे। एक अंधी दौड़ शुरू हो चुकी है। जिसमें हर यूट्यूबर ज्यादा से ज्यादा व्यूज चाहता है। पैसा कमाना चाहता है। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात है कि देश का एक बड़ा वर्ग उन्हें न केवल देख रहा है बल्कि उस पर तालियां बजा रहा है। आज भारत जैसे संस्कारी देश में तमाम इंफ्लूएंशर्स के बीच व्यूज पाने की रेस चल रही है। लोग जानते हैं कि इनके पास कोई खास टैलेंट नहीं है। इसलिए ये सबसे आसान रास्ता आपत्तिजनक, भद्र और अश्लील कंटेंट बनाकर पैसे कमाने का रास्ता चुनते हैं। जिन यूट्यूबर्स ने गंदी बातें कीं, अपनी मां के बारे में घटिया और अश्लील बात की, वो माफी के लायक तो नहीं हैं क्योंकि गलती अनजाने में नहीं हुई। जो कुछ कहा गया वो सोच समझकर, लिखी गई स्क्रिप्ट के आधार पर कहा गया। ये कोई स्लिप ऑफ टंग नहीं था। ये एक इंग्लिश शो की कॉपी थी। इस घटना से इन यूट्यूबर्स का असली चेहरा सामने आ गया। बहुत सारे यूट्यूबर्स ऐसे हैं जिनके न कोई मोर्लस हैं, न वैल्यू हैं। वो सिर्फ अपने फॉलोअर्स की संख्या बढ़ाकर पैसा कमाना चाहते हैं। उनकी बातों का समाज पर क्या असर होता है, इसकी उन्हें कोई परवाह नहीं।

डार्क कॉमेडी के नाम पर माता पिता के बारे में गंदी–निम्न स्तर की बातें करना। उनके प्राइवेट पार्ट्स के बारे में बात करना। पैसा कमा लिया तो किसी को पैसे का लालच देकर कहना कि 2 करोड़ दूंगा आकर मेरा...बात की शुरुआत से बात के अंत तक अनगिनत बार मां–बहन की गालियां देना। ये कॉमेडी तो कतई नहीं हो सकती और नो फिल्टर कहे तो ये नीचता की पराकाष्ठा है। या सीधे सीधे कहे कि खराब परवरिश का नतीजा है। वरना इस देश में क्रिकेट और कोविड को छोड़कर विरले कोई ऐसा मुद्दा हो जिसमें हर वर्ग, हर उम्र, हर धर्म का आदमी एक सुर में सुर मिलाए। उस देश में सभी काला कपड़ा लगाकर, काले कमरे में गाली दे देकर डार्क ह्यूमर का जिक्र कर रहे हैं और बेशर्मों की तरह ठहाके लगा रहे हैं उन सभी को कह रहा है बहुत हो गया, अब नहीं। महाराष्ट्र का पक्ष विपक्ष हो, दिल्ली में बैठे नेता, किसान नेता, महिला आयोग या सोशल मीडिया पर लोग या आपके और हमारे जैसे आम आज हर कोई कह रहा है कि इन पर कार्रवाई हो। आप गौर से नजर डालेंगे तो पाएंगे पिछले कुछ वक्त से ऐसा चलन सा चल गया है। आपको याद होगा कुछ साल पहले एक श्कॉमेडियनश हिंदू देवी–देवताओं के विवादास्पद चित्रण और उनका मजाक उड़ाने के साथ–साथ गोधरा ट्रेन अग्निकांड के पीड़ितों के बारे में अपनी मजाकिया टिप्पणियों की वजह से काफी चर्चा में रहा था। इतना की विवादित लोगों को स्वैग के साथ गले लगाने वाला टीवी शो उन्हें न केवल बुलाता है। बल्कि वो तो विनर बनकर ही बाहर निकलता हैं। इससे पहले भी वो ओटीटी एप पर आने वाले एक शो को जीत चुका होता है। मतलब सीधा सा फंडा है कुछ भी गंद बोलो, धर्म के रूप टिप्पणी करो, बस केवल सिर तन से जुदा वाले को छोड़कर तो एक खास वर्ग आपको कूल समझने लगेगा। आप प्रसिद्धि पाने लगोगे।

चरित्र का वायरस जो नुकसान करेगा वो कोरोना भी नहीं कर सकता। क्योंकि कोरोना तो शरीर को ही मारता था, ये तो आत्मा को मार देता है। ये देश सरकारों, नेताओं, पार्टियों से नहीं बना। ये देश मेरे और आपके जैसे लोगों ने बनाया है। एकात्म पराक्रम यानी हमने अकेले में पराक्रम किया, मसलन कोई मराठी के प्रोफेसर का लड़का बल्लेबाज बन गया, कोई ओमान के पेट्रोलपंप पर पेट्रोल भरने वाला आया और धीरूभाई अंबानी बन गया। कोई वडनगर के रेलवे स्टेशन पर अपने बाप की चाय की कप पकड़ाने वाला लड़का देश का प्रधानमंत्री बन गया। ये सब सरकारों की योजनाओं के काम नहीं थे। अकेले एक आदमी ने मेहनत की। एक के बाद एक होते इस तरह की घटनाओं के बाद सवाल हमारे और आपके लिए भी है कि इस तरह के लोगों को इंफ्लूएंशर्स कहते हैं उन्हें समझना होगा कि फॉलोइंग, ऐसे लोगों का इंफ्लूएंश अस्थायी होता है। विश्वसनीयता के लिए, लोगों के दिलों में लंबे समय तक जगह बनाने के लिए नैतिक बल और समाज के प्रति जिम्मेदारी का एहसास होना चाहिए।

खिलौनों की दुनियां में रोजगार के अवसर

—नरेन्द्र कुमार—

भारत का मौजूदा खिलौना उद्योग लगभग दो अरब अमेरिकी डॉलर का है, जिसकी वैश्विक बाजार में बमुश्किल 0.75 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं इस उद्योग में हजारों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। साल 2016–17 में इस उद्योग में लगभग 15 हजार उद्यमी थे और करीब 37 हजार लोगों को इसमें काम मिला हुआ था। हाल के वर्षों में देश में देसी खिलौना उद्योग को बढ़ावा दिया जा रहा है और साल 2025–26 के आम बजट में इसकी शुरुआत की गयी है, 'राष्ट्रीय खिलौना कार्य योजना' की शुरुआत से। जिसका उद्देश्य भारत को 'वैश्विक खिलौना केंद्र' के रूप में विकसित करना है। इस योजना के तहत क्लस्टर विकास, कौशल उन्नयन और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास पर जोर दिया जायेगा, जिससे देश में उच्च गुणवत्ता वाले और मानसिक विकास को प्रोत्साहित करने वाले खिलौनों का उत्पादन संभव हो सकेगा। खिलौनों के वैश्विक बाजार में 'मेड इन इंडिया' ब्रांड को मजबूती देने की कोशिश की जायेगी। इस उद्योग में बहुत तेजी से विकास की संभावना है। इसलिए जल्द ही खिलौना उद्योग में बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा होगा।

दरअसल राष्ट्रीय खिलौना कार्य योजना खिलौना उद्योग को महत्वपूर्ण निर्माण क्षेत्र के रूप में प्रतिष्ठित करेगी। खिलौना निर्माण के लिए विशेष क्लस्टर बनाये जाएंगे जिनमें छोटे और मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहन मिलेगा। खिलौना विनिर्माण की इकाइयों के लिए बुनियादी संसाधन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया है। ये इकाइयां को टैक्स से दूर रखी जायेंगी और हर तरह सहायता दी जायेगी। वहीं कारीगरों और श्रमिकों को नयी तकनीकों और डिजाइनों की ट्रेनिंग दी जायेगी। सरकार स्थानीय डिजाइनों और उसमें भारतीय संस्कृति के समावेश को बढ़ावा देगी और भारतीय खिलौनों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए निर्यात प्रोत्साहन योजना भी लागू करेगी। विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने की भी बात कही है। स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में भारतीय खिलौना उद्योग खूब फले फूलेगा। भरपूर निवेश आयेगा। नये स्टार्टअप्स शुरू होंगे। जाहिर है, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन होगा, जो कैरियर के लिहाज से खिलौना उद्योग को महत्वपूर्ण क्षेत्र निर्मित करेगा।

इस क्षेत्र में विशेषकर डिजाइन और इनोवेशन के फील्ड में कई तरह के कुशल खिलौना डिजाइनरों की मांग है। प्रमुख रूप से टॉय डिजाइनर जो खिलौनों के नये नये डिजाइन तैयार करता है, प्रोडक्ट्स डेवेलपर जो इस उद्योग कंसेप्ट से प्रोटोटाइप तक का काम करता है और यूएक्सध्यूआई डिजाइनर जो डिजिटल स्मार्ट खिलौनों को बच्चों के अनुकूल बनाता है– ऐसे कुशल तकनीशियनों की मांग है। इसके अलावा खिलौना उद्योग की मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयों में प्रोडक्शन इंजीनियर तथा क्वालिटी कंट्रोल एक्सपर्ट की भी जरूरत है। बिजनेस और मार्केटिंग के क्षेत्र में यहां ब्रांड मैनेजर, सेल्स मैनेजर और एक्सपर्ट मैनेजर की जरूरत होती है, जो खिलौना ब्रांड्स को प्रमोट करते हैं, बिक्री रणनीति तैयार करते हैं और विदेशी बाजार तलाशने में भूमिका निभाते हैं। अब दुनिया के ज्यादातर हिस्सों में बच्चे अधिक जीवंत और दिमाग को चुनौती देने वाले खिलौने चाहते हैं। ये मांग तभी पूरी हो सकती है जब खिलौना उद्योग तेजी से फले–फूले।

खिलौना उद्योग में चमकदार कैरियर तलाशने के लिए आवश्यक शैक्षिक योग्यताओं में कुछ बेहद कारगर साबित होंगी। मसलन, बेचलर ऑफ डिजाइंस, इंडस्ट्रियल डिजाइन, टॉय डिजाइन रू इन कोर्सेज के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन अहमदाबाद, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) डिजाइन डिपार्टमेंट, आईआईटी बॉम्बे, एमआईटी इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन पुणे, पर्ल एकेडमी, दिल्लीध्मुंबई से भी डिजाइन क्षेत्र में डिग्री ली जा सकती है। वहीं आईआईटी गांधीनगर में टॉय डिजाइन में सर्टिफिकेट कोर्स उपलब्ध है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन और एमआईएफटी में भी शॉर्ट टर्म डिजाइन कोर्स उपलब्ध है। इसके अलावा मैन्युफैक्चरिंग और इंजीनियरिंग के लिए बीटेकधडिप्लोमा इन प्लास्टिक इंजीनियरिंग करना भी इस क्षेत्र में रोजगार के लिए उपयोगी है। भारत के कई बड़े शहरों में ये विभिन्न तरह के संस्थान उपलब्ध हैं। इस क्षेत्र के लिए एमबीए इन मार्केटिंगध्इंटरनेशनल बिजनेस करनी हो तो सभी आईआईएमएस, एसपीजैन इंस्टीट्यूट और सिंबोयसिस जैसे संस्थानों से डिग्री और डिप्लोमा हासिल किया जा सकता है। वहीं अगर डिजिटल टॉयज, वीडियो गेम्स और इंटरेक्टिव खिलौनों में रुचि है तो सॉफ्टवेयर और गेमिंग में बीटेक, बीएससी इन गेम डिजाइन और एक्चुअल रियल्टीध्वर्चअल रियल्टी टेक्नोलॉजी में डिग्री हासिल करके इस क्षेत्र में प्रवेश किया जा सकता है जिसके लिए आईआईटी बॉम्बे, आईसीएटी डिजाइन इन मीडिया कॉलेज, बंग्लुरु प्रमुख शिक्षण संस्थान हैं।खिलौना उद्योग में अलग–अलग प्रोफेशनल्स के लिए 6 से 12 लाख रुपये तक की प्रारंभिक नौकरियां मिल सकती हैं और एक और दो साल के अनुभव के बाद ये 12 से 40 लाख रुपये सालाना की नौकरी बन सकते हैं। अगर इस क्षेत्र में मौजूद बड़ी बड़ी कंपनियों की बात है तो फन स्कूल इंडिया लिमिटेड, सन लॉर्ड टॉयज, मिराना टॉयज, टॉय पार्क इंडिया और स्किल मैट्रिक्स जैसी भारतीय कंपनियां तो लियो इंडिया, मैटल टॉयज और हास्ब्रो इंडिया नामक बड़ी कंपनियां मौजूद हैं, जो खिलौना उद्योग के प्रशिक्षित एग्जीक्यूटिव को शानदार कैरियर का ऑफर देते हैं। मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल आह्वानों के चलते घरेलू खिलौना उद्योग ताकतवर ढंग से उभरने के लिए तैयार है। अगर आपको क्रिएटिविटी टेक्नोलॉजी या बिजनेस में रुचि है तो खिलौना उद्योग में हासिल करने काबिल बहुत सारे अवसर मौजूद हैं। –इ.रि.सें.

पाकिस्तानः न्यायपालिका के सामने अस्तित्व का संघर्ष

—सुल्तान महमूद—

न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लेकर चल रहा संघर्ष, जिसमें अधिकांश न्यायाधीश निष्क्रिय दर्शक बने हुए हैं, पाकिस्तान में वकीलों के आंदोलन की याद दिलाता है। यह एक निर्णायक क्षण था जब एक मुख्य न्यायाधीश ने अपनी कमियों के बावजूद पाकिस्तान के सबसे शक्तिशाली लोगों से भिडने का साहस किया। वकीलों और नागरिक समाज के एक बड़े पैमाने पर लामबंदी ने दशकों में देश के सबसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक सुधारों को उत्प्रेरित किया। न्यायपालिका में जनरल मुशर्रफ के सत्तावादी हस्तक्षेप का सामना करके, आंदोलन ने न केवल न्यायपालिका की बहाली को बढ़ावा दिया, बल्कि 18वें और 19वें संशोधन जैसे संवैधानिक मील के पत्थर को सुगम बनाया, सरकार से नियुक्तियां छीनकर उन्हें वरिष्ठ न्यायाधीशों और वकीलों के एक पैनल को देकर न्यायिक स्वतंत्रता को मजबूत किया। अंततः आंदोलन ने जनरल मुशर्रफ के सैन्य शासन के पतन को उत्प्रेरित किया, जिससे पाकिस्तान में लोकतांत्रिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त हुआ। इन परिवर्तनों ने एक ऐसी न्यायपालिका का वादा किया जो कार्यकारी शक्ति पर एक वास्तविक जांच के रूप में काम कर सकती थी। एक न्यायपालिका के पास संवैधानिक अधिकारों को लागू करने, नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा करने और राज्य और राजनीतिक रूप से शक्तिशाली सेना को जवाबदेह ठहराने की शक्ति होनी चाहिए।

राजनीतिक दबावों के बावजूद, पाकिस्तान की न्यायपालिका ने दिखाया कि वह हाशिए पर पड़े लोगों के लिए एक सुरक्षा कवच के रूप में खड़ी हो सकती है। फिर भी, पाकिस्तान की न्यायपालिका का इतिहास एक अधिक सूक्ष्म कहानी बताता है, जो निष्पक्षता के प्रति प्रतिबद्धता से प्रभावित है और मुखर, स्वतंत्र फैसलों से आकार लेती है। कम से कम 1990 के दशक से, पाकिस्तान की न्यायपालिका ने निरंतर दबाव का सामना करते हुए महत्वपूर्ण प्रगति की है। इन चुनौतियों के बावजूद, इसने अक्सर पीछे हटते हुए, न्यायिक नियुक्तियों पर प्रभाव बनाए रखने के लिए संवैधानिक प्रावधानों की पुनर्व्याख्या की है और लोकतांत्रिक सिद्धांतों को बनाए रखने वाले ऐतिहासिक फैसले जारी किए हैं। दर्शन मसीह बनाम राज्य का मामला न्यायपालिका की विकसित होती भूमिका का उदाहरण है। एक सामंती जमींदार की हिरासत में बंधुआ मजदूरों के एक हताश टैलीग्राम और उसके साथ पुलिस की मिलीभगत के जवाब में, अदालत ने आधुनिक समय की गुलामी का सामना करने के लिए 'न्यायिक संयम' की स्थापित एंग्लो–सैक्सन परंपराओं को चुनौती दी और उनकी दलील सुनने के लिए अभूतपूर्व कार्रवाई की। इस साहसिक कदम ने न केवल मौलिक अधिकारों की पुष्टि की, बल्कि न्यायपालिका की स्थापित सत्ता संरचनाओं को चुनौती देने और सबसे हाशिए पर पड़े लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की इच्छा का भी संकेत दिया। राजनीतिक दबावों के बावजूद, पाकिस्तान की न्यायपालिका ने दिखाया कि वह हाशिए पर पड़े लोगों के लिए एक मजबूत दीवार बन सकती है।

पर्यावरण संरक्षण को संवैधानिक अधिकार के रूप में मान्यता देने से लेकर सैन्य अदालतों द्वारा नागरिक मुकद्दमों को असंवैधानिक घोषित करने तक, ऐतिहासिक फैसलों ने कानूनी परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया है। अतीत की अवज्ञा की गूंज आज भी न्याय की लड़ाई को आकार देती है। 6 न्यायाधीशों का पत्र इस परंपरा की एक शानदार याद दिलाता है। 2007 के बाद की अवज्ञा की भावना इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के 6 न्यायाधीशों द्वारा लिखे गए 2024 के पत्र में फिर से उभरी, जिसमें सर्वोच्च न्यायिक परिषद को संबोधित किया गया था। एक दुर्लभ सार्वजनिक टकराव में, इन न्यायाधीशों ने न्यायिक मामलों में पाकिस्तान की अनियंत्रित खुफिया एजेंसियों के कथित हस्तक्षेप को उजागर किया।

दबाव, निगरानी और अपने परिवारों को धमकियों के उनके दावों ने न्यायिक स्वतंत्रता के लिए बढ़ती संस्थागत चुनौतियों को रेखांकित किया। वकीलों के आंदोलन के बाद से न्यायपालिका के अवज्ञा के सबसे साहसिक कार्य के रूप में वर्णित पत्र ने इस बात पर प्रकाश डाला कि न्यायपालिका को अपनी स्वायत्तता को बनाए रखने के लिए अभी भी किस हद तक संघर्ष करना चाहिए। पाकिस्तान की न्यायपालिका की स्वतंत्रता, जो कभी सार्वजनिक विरोध और संवैधानिक सुधार की कड़ी मेहनत से हासिल की गई जीत थी, अब घेरे में है। नवंबर 2024 में पारित 26वां संविधान संशोधन, अस्पष्ट परिस्थितियों में और विपक्षी सांसदों के साथ जबरदस्ती और अपहरण के आरोपों के बीच पारित हुआ जो न्यायपालिका की संरचना को मौलिक रूप से बदल देता है। न्यायिक नियुक्तियां करने वाले न्यायाधीशों की हिस्सेदारी को कम करके, राजनीतिक नियुक्तियों को बढ़ाकर और बैंच की संरचना और न्यायाधीशों के चयन में सीधे मंत्री की भागीदारी को सक्षम करके, संशोधन प्रभावी रूप से अदालतों से नियंत्रण सरकार को स्थानांतरित करता है। यह संरचनात्मक बदलाव न केवल न्यायपालिका की स्वतंत्र रूप से न्यायाधीशों की नियुक्ति करने की क्षमता को कमजोर करता है, बल्कि राज्य के अतिक्रमण पर रोक लगाने की इसकी भूमिका को भी कमजोर करता है। सुधार की आड़ में, 18वें और 19वें संशोधन द्वारा स्थापित नाजुक संतुलन को उलट दिया गया है।

लोकतांत्रिक पतन हमेशा टैंकों की आवाज या बंदूकों की गडगड़ाहट के साथ नहीं आता है। पाकिस्तान में, यह बंद दरवाजों के पीछे हो रहा है। विधायी पाठ में संहिताबद्ध है और जनता को आवश्यक सुधार के रूप में बेचा जा रहा है। वहीं न्यायपालिका जो कभी तानाशाह की अवहेलना करती थी अब व्यवस्थित रूप से कमजोर की जा रही है, और इसकी स्वतंत्रता को कम किया जा रहा है। यदि पाकिस्तान की न्यायपालिका पूर्ण राजनीतिक नियंत्रण के आगे झुक जाती है, तो राष्ट्र न केवल कानून के शासन को खो देगा, बल्कि अपने पिछले सुधारकों के बलिदानों पर निर्मित लोकतांत्रिक प्रगति को भी खो देगा।

निषाद पार्टी अध्यक्ष पर उत्पीड़न के आरोप की पोस्ट लिखकर पूर्व युवा सचिव ने की खुदकुशी

संवाददाता—महराजगंज। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए उनकी ही पार्टी के एक नेता ने सुसाइड कर लिया है। महराजगंज के पनियरा क्षेत्र के नरकटहा गांव निवासी और निषाद पार्टी में प्रदेश सचिव रहे धर्मात्मा निषाद ने फेसबुक पर लंबा पोस्ट लिखने के बाद खुदकुशी की है। घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में लोग धर्मात्मा के घर पहुंच गए। परिजन और अन्य लोगों ने सुसाइड नोट में आरोपित किए गए लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर गिरफ्तारी की मांग की और शव को रोक लिया। पिपराइच क्षेत्र के सपा नेता अमरेन्द्र निषाद व मृतक के भाई अन्य लोगों के साथ अकटहवा—नरकटहा मार्ग पर स्थित उनके घर के सामने धरने पर बैठ गए। पुलिस लोगों को समझाने में जुटी है। लोगों का कहना है कि पहले आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाए। धर्मात्मा ने मरने से पहले फेसबुक पोस्ट में विस्तार से जान देने के कारणों का जिक्र किया है। लिखा कि मैं अगर दुनियां छोड़कर जा रहा हूँ तो इसका सबसे बड़ा कारण डॉ. संजय कुमार निषाद और उनके बेटे प्रवीण कुमार निषाद और ई श्रवण कुमार निषाद और मेरा दोस्त जय प्रकाश निषाद हैं। अगर मैं मारना चाहता तो इन लोगों को कभी भी मार सकता था। मगर मैं हत्यारा नहीं बनना चाहता था।

धर्मात्मा ने फेसबुक पोस्ट में सबसे ऊपर लिखा कि मैं अपनी जिंदगी की लड़ाई हार गया। यह मेरा आखिरी संदेश है। आज बहुत कुछ सोचने समझने के बाद मैंने यह फैसला लिया है कि यह दुनिया मेरे किसी काम की नहीं है। मैंने अपनी क्षमता के हिसाब से जितना लोगों की मदद कर सकता था उतना मदद करने का प्रयास किया और कई बार तो अपनी क्षमता के ऊपर भी जाकर लोगों का मदद किया। जिसके कारण मेरे हजारों राजनैतिक और सामाजिक दुश्मन बनें फिर भी मैंने समाज के शोषित, वंचित, और निर्बलों की आवाज को बुलंद करने का काम लगातार जारी रखा। इस बीच मुझे कई बार फर्जी मुकदमे भी झेलने पड़े और कई बार जेल भी जाना पड़ा फिर भी मैंने अपने कदम को रुकने नहीं दिया और लगातार लोगों की मदद करता रहा। आगे लिखा कि अब आते हैं मुख्य बिंदु पर की आखिर मुझे यह फैसला क्यों लेना पड़ा तो आप सबको अवगत कराना चाहता हूँ कि मैं लगभग पिछले 10 वर्ष से डॉ. संजय कुमार निषाद कैबिनेट मंत्री (मत्स्य विभाग) उत्तर प्रदेश सरकार के साथ सामाजिक और राजनैतिक संगठन जैसे कि राष्ट्रीय निषाद एकता परिषद और निषाद पार्टी के विभिन्न पदों पर रहते हुए कार्य कर रहा था। जिसमें पिछले 10 वर्ष से मैंने अपने परिवार को समय नहीं दिया जितना कि मैंने डॉ. संजय कुमार निषाद और उनके परिवार के लोगों के साथ—साथ समाज को समय दिया। इस बीच मैंने उत्तर प्रदेश के लगभग 40—50 जिलों में संगठन और पार्टी के लिए कार्य किया जिसके वजह से निषाद समाज के युवाओं के साथ—साथ अन्य वर्ग के भी युवाओं में मेरी लोकप्रियता बढ़ती गई। जिसके कारण डॉ. संजय कुमार निषाद और उनके बेटों की बेचैनी बढ़ने लगी कि आखिर यह एक साधारण सा लड़का इतना ज्यादा चर्चित और लोकप्रिय कैसे होता जा रहा है। मेरी लोकप्रियता को लेकर पिछले दो सालों से डॉ. संजय कुमार निषाद और उनके बेटों ने मेरे खिलाफ सामाजिक और राजनैतिक रूप से षड्यंत्र करते हुए मुझे पहले तो कमजोर करने का प्रयास किया फिर मेरे ही साथ के युवा साथियों को भड़काने व मेरे खिलाफ खड़ा करने के लिए तरह—तरह के प्रलोभन देने के साथ—साथ मुझे और मेरे टीम के साथियों को फर्जी मुकदमे में फंसाने का तरह—तरह का प्रयास करने लगे। यह सारी बातें जानकर मुझे बहुत गहरा चोट पहुंचा मगर फिर भी मैंने खुद को शांत रखा और किसी को यह एहसास नहीं होने दिया। इसी बीच पनियरा थाने के अंतर्गत आने वाले बैदा गाँव निवासी गुलशन निषाद की हत्या कर दी जाती है और पुलिस उस मामले को कुछ राजनेताओं के दबाव में आकर दुर्घटना दिखाकर मामले को दबाने का प्रयास करती है। इस बात की सूचना कई पत्रकार बंधुओं और सामाजिक लोगों द्वारा मुझे दी जाती है तब मैं मौके पर जाता हूँ और एडीशनल एसपी को मौके पर बुलाकर पीड़ित परिवार के तरफ से हत्या का तहरीर एडीशनल एसपी को दिलवाता हूँ। इस मामले में भी मेरे खिलाफ डॉ. संजय कुमार निषाद और उनके बेटों द्वारा चक्काजाम इत्यादि का फर्जी मुकदमा दर्ज करवाकर मुझे जेल भेजवाया जाता है। जेल से छूटकर बाहर आता हूँ तो फिर लोकसभा चुनाव में मेरा समर्थन पाने के लिए डॉ. संजय कुमार निषाद और उनके बेटों ने मुझसे बातचीत करना और मिलना—जुलना शुरू कर दिया। इस बीच मेरे आवास पर डॉ. संजय कुमार निषाद के छोटे सुपुत्र ई.श्रवण कुमार निषाद आते हैं और माफी मांगते हैं। कहते हैं कि मेरे खिलाफ उनके परिवार के किसी सदस्य ने पैरवी नहीं की थी। जो भी किया जय प्रकाश निषाद ने किया था। जय प्रकाश निषाद से पूछताछ करता हूँ तो वह भी कसम खाता और कहता उसने जो भी षड्यंत्र मेरे खिलाफ किया है वह सब डॉ. संजय कुमार निषाद और प्रवीण कुमार निषाद और ई. श्रवण कुमार निषाद के कहने पर किया था। आगे लिखा कि मैं इन सब बातों को जानकर रोज घुट—घुट कर मर रहा था और सारी बातें जानना चाहता था कि कौन—कौन मेरे खिलाफ षड्यंत्र किया है। इसकी भी जानकारी करना बहुत जरूरी हो गया था। अब लगभग सभी चेहरों से नकाब हट चुके हैं और उन सब चेहरों की पहचान भी हो चुकी है। पहले तो मेरे मन में ख्याल आया कि मैं उन सब को जान से मार दूँ जिन्होंने मेरे खिलाफ षड्यंत्र किया है फिर दिल ने कहा कि नहीं यार ऐसा करके मुझे तो संतुष्टि मिल जायेगी मगर मैं हत्यारा बन जाऊँगा। इसलिए मैंने बहुत कुछ सोचने के बाद यह निर्णय लिया है कि इस बेरहम और एहसान फरामोश दुनियां से दूरी बना लेना चाहिए।

अब मैं अपनी पत्नी से भी क्षमा चाहता हूँ कि उसको भी मैंने समय नहीं दिया और जो थोड़ा बहुत समय दिया उसमें मेरी एक फूल जैसी बेटी का जन्म हुआ और उस फूल जैसी बेटी को भी मैं समय नहीं दे पाया। मैं अपनी पत्नी से भी क्षमा चाहता हूँ कि मैं उसे ऐसे मोड़ पर छोड़कर जा रहा हूँ हो सके तो मुझे माफ कर देना अंजली। अब मैं उन क्रान्तिकारी साथियों से भी क्षमा चाहता हूँ जिन्होंने मेरे साथ संघर्ष करते हुए समाज के दबे, कुचले लोगों को न्याय दिलाने हेतु मेरे साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्ष किया।

मैं अपने निषाद समाज के सभी समाजसेवियों और राजनेताओं से एक आखिरी निवेदन करना चाहता हूँ कि आप लोग निषाद समाज के युवाओं के भविष्य को बचाने के लिए ठोस कदम उठाने के साथ—साथ डॉ. संजय कुमार निषाद जैसे व्यक्ति से समाज को छुटकारा दिलाने के लिए कार्य करें क्योंकि जितना नुकसान निषाद समाज का अन्य दलों ने नहीं किया है उससे कहीं ज्यादा नुकसान डॉ. संजय कुमार निषाद और उसके बेटों ने किया है। मैंने इनके साथ रहकर सारी चीजें बहुत करीब से देखी हैं इन्होंने निषाद समाज को जगाने का काम किया है मगर उसमें मुझ जैसे सैकड़ों क्रान्तिकारी साथियों की अग्रणी भूमिका रही है।

निषाद समाज को जगाने में और उनके हक अधिकारों की लड़ाई लड़ने में मुझ जैसे सैकड़ों क्रान्तिकारी साथियों का अहम योगदान रहा है मगर डॉ. संजय कुमार निषाद ने उसे भुनाते हुए खुद को स्वघोषित महामना, पॉलिटिकल गॉड फॉदर ऑफ फिशरमैन बना लिया। डॉ. संजय कुमार निषाद अगर दावा करते हैं कि निषाद समाज को अन्य दलों के चंगुल से बाहर निकालकर उनका सम्मान बढ़ाए हैं तो फिर अपनी पार्टी में लाकर उनका और निषाद समाज दोनों का शोषण कर रहे हैं तो उनमें और अन्य दलों में क्या अंतर है। जब वह मुझ जैसे एक वफादार सिपाही का नहीं हुए जो कि मैंने अपने 10 वर्ष डॉ. संजय कुमार निषाद और उनके बेटों को दे दिया तो अन्य किसी का वह क्या होंगे। कई मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि लिखने को तो सैकड़ों मामले हैं जो लिखने लगूं तो कई पेज लग जाएंगे। बस एक आखिरी बात मैं अपने निषाद समाज से कहना चाहूंगा कि आज तक मैंने निषाद समाज के लिए जो भी हो सका है वह मदद मैंने किया है अब मैं समाज से अपने परिवार की सुरक्षा और उनके भविष्य की जिम्मेदारी आप सब पर सौंप के जा रहा हूँ। अगर आप लोग मेरे परिवार का ख्याल रख लेंगे तो मेरी आत्मा को शान्ति मिलेगी और मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस करूंगा कि मैंने जो मदद समाज का किया था उसका फल मेरे परिवार को मिल रहा है।

हादसों में युवक सहित दो की मौत, 13 दिन बाद जानी थी बारात

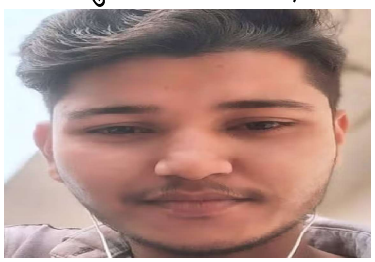

संवाददाता—बहराइच। बहराइच में अलग—अलग क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में किसान सहित दो लोगों की मौत हो गई। वहीं चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। रानीपुर थाना क्षेत्र में सड़क पार करते समय हादसे का शिकार हुए श्रावस्ती निवासी युवक की 20 फरवरी को तिलक और 2 मार्च को शादी थी। मौत की सूचना से शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं।

श्रावस्ती जिले के गिलौला थाना के ग्राम पंचायत रामपुर पैड़ा निवासी राजन शुक्ला (22) शनिवार को बरात में शामिल होने के लिए रानीपुर थाना क्षेत्र के जिगनिया छत्रपाल गांव आए थे। इस दौरान रानीपुर थाना क्षेत्र में बहराइच—हुजूरपुर मार्ग पर कुट्टी चौराहा के पास सड़क किनारे पैदल जाते समय तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में राजन टायर की चपेट में आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

मृतक के दोस्त शिवम पाठक ने बताया राजन का 20 फरवरी को तिलक समारोह था और दो मार्च को शादी होनी थी। जिसको लेकर उनके घर में तैयारियों का दौर चल रहा था। इस बीच मौत की सूचना से पूरे परिवार में कोहराम मच गया है। पिता अजीत अचेत हो गए। दोस्त ने बताया कि मृतक राजन फैक्टरी में बटन टांकने का काम कर अपना भरण—पोषण करता था। रानीपुर थानाध्यक्ष चंद्र प्रताप सिंह ने बताया टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

हरदी थाना क्षेत्र के सिसैया चूरामणि गांव निवासी विनय सिंह (46) शनिवार को बहराइच से घर आ रहे थे। रास्ते में हरदी थाना के भगवानपुर चौराहा के पास बाइक अनियंत्रित होकर गड्ढे में चली गई। हादसे में गंभीर रुप से घायल विनय को परिजनों ने इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मृतक के भतीजे अतुल सिंह ने बताया चाचा खेती—बाड़ी कर परिवार का भरण—पोषण करते थे और एक बेटा व एक बेटी है। मौत से पत्नी सुनीता सहित अन्य परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल है। राहगीरों के मुताबिक चालक ने हेलमेट लगा रखा था, लेकिन झटका लगने से निकल गया।

बौंडी थाना के रानीपुरवा गांव निवासी बाइक सवार मोहम्मद सुहैल (18) अपने साथी फखरपुर थाना के मुड़का गांव निवासी जमालुद्दीन (26) के साथ रविवार को बहराइच नई बाइक लेने आ रहे थे। रास्ते में मरौचा के पास तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दी। वहीं, कैसरगंज कोतवाली के डिहवा गांव के पास बाइक सवार गोंड़ाही निवासी रवि (30), अरुण (28) को कार ने टक्कर मार दी। स्थानीय पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को मेडिकल कॉलेज भिजवाया।

बजट में है विकसित भारत बनाने वाला रोडमैप —पंकज

संवाददाता—महराजगंज। केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि केन्द्र सरकार का आम बजट आम आदमी के जीवन में खुशियां लाने वाला है। बजट में सभी वर्गों के हितों का ख्याल रखा गया है। युवाओं, महिलाओं, गरीबों, किसानों सभी के लिए योजनाएं इस बजट में लाई गई हैं, जो जीवन को खुशहाल बनाएंगी। देश को आगे बढ़ाएंगी। बजट में विकसित भारत बनाने वाला रोडमैप है। वे धनेवा स्थित अपने आवास पर जिलाध्यक्ष संजय पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित बजट गोष्ठी में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि गरीबों और मिडिल क्लास को ध्यान में रखते हुए तथा 2047 तक विकसित भारत बनाने वाले रोडमैप वाला बजट पेश किया है। इसमें विकसित भारत की गति निर्धारित करने का लक्ष्य रखा गया है। यह बजट गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त करने में सहायक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने हमेशा राष्ट्र निर्माण में मध्यम वर्ग की सराहनीय ऊर्जा और क्षमता पर विश्वास किया है। उनके योगदान को मान्यता देते हुए मोदी सरकार ने समय—समय पर उनके कर के बोझ को कम किया है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने मध्यम वर्ग पर बोझ कम करने के लिए 12 लाख तक के आय वालों के लिए आयकर शून्य कर दिया है। किसान क्रेडिट कार्ड के अंतर्गत लिए जाने वाली ऋण की सीमा 3 लाख से बढ़ा दी गई है। पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह ने गोष्ठी में कहा कि यह बजट भारत के अमृत काल का बजट है। यह बजट देश के विकास और गरीबों के कल्याण का बजट है। यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता, विजन और विकसित भारत के संकल्प को रेखांकित करता है। जिलाध्यक्ष संजय पांडेय ने कहा कि भारत की आत्मा है गांव और प्राण हैं किसान। आज का बजट ग्रामीण विकास और कृषि क्षेत्र की प्रगति में नए आयामों को स्थापित करेगा। एक सशक्त, समृद्ध, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में यह बजट मील का पत्थर साबित होगा।

उम्रकैद की सजा काट रहे बंदी की मौत

संवाददाता—बहराइच। रविवार को जिला कारागार में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी की उपचार के दौरान मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। वह हत्या के मामले में सजा काट रहा था। मामला नानपारा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत एलासापुर अगैया का है। गांव निवासी फैयाज अली (40) जिला कारागार में निरुद्ध था। वर्ष 2015 में हुई हत्या के एक मामले में सजा काट रहा था। तबीयत खराब होने पर उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। जेल अधीक्षक राजेश यादव ने बताया कि बंदी को हत्या के मामले में 29 फरवरी 2024 को आजीवन करावास की सजा हुई थी। साथ ही 20 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया था। दोष सिद्ध बंदी के सीने में दर्द हुआ। इस पर उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। दोपहर में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

झाड़ियों में मिला नवजात शिशु का शव

संवाददाता—बहराइच। रविवार को नवजात शिशु का शव झाड़ियों में पड़ा मिला। शव देखकर लोगों की भीड़ लग गई। लोगों ने सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच कर रही है।

घटना नानपारा कोतवाली क्षेत्र के नवाबगंज—नानपारा मार्ग स्थित सिंधौरा गांव के पास की है। गांव निवासी किसान फसल की सिंचाई करने जा रहे थे। रास्ते में सड़क किनारे झाड़ियों में उन्हें लाल कपड़े में लिपटा हुआ नवजात शिशु का शव दिखा। सूचना क्षेत्रभर में आग की तरह फैल गई। मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मौका मुआयना करके जानकारी ली। बताया गया कि नवजात मृत शिशु बालक है। सीओ प्रद्युम्न सिंह ने बताया इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से शव फेंकने वाले का पता लगाया जा रहा है।

ज्ञान, भक्ति और वैराग्य का अनूठा संगम है श्रीमदभागवत

संवाददाता—महराजगंज। क्षेत्र के ग्राम सभा पिपरा कल्याण में रविवार को नौ दिवसीय श्रीमदभागवत कथा का आयोजन हुआ। आचार्य अद्या पांडेय ने कहा कि ज्ञान, भक्ति और वैराग्य का अनूठा संगम श्रीमदभागवत है। सांसारिक मोह, माया को त्याग कर परमात्मा का स्मरण करना ही वैराग्य होता है। जिसके जीवन में भक्ति नहीं होती उसका जीवन नीरस एवं सारहीन होता है। भगवान की कथा सुनने से भक्ति तृप्त होती है। ज्ञान और वैराग्य हृदय में दृढ़ होते हैं और हमारे जीवन में भक्ति बढ़ती है तो भगवान के चरणों में अनुराग और प्रेम होता है। उन्होंने कहा कि प्रहलाद ने नारायण से कहा मुझ पर ऐसी कृपा करें कि संसार का कोई भी सुख पाने का विचार भी मेरे मन में न आए। किसी भी प्रकार की इंद्रियों में सुख की कामना न हो। मेरे हृदय में कभी किसी कामना का बीज ही अंकुरित न हो। ऐसा वरदान मुझे दें। भजन करने से जीव भगवान के साथ एक हो जाता है। इसलिए भक्ति को बुढ़ापे के लिए नहीं छोड़ना चाहिए। बल्कि कम उम्र में ही शुरू कर देना चाहिए।

दबंग बादशाह सम्राट गैंग के 14 लोगों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

संवाददाता—देवरिया। जिले की मदनपुर पुलिस ने रील बनाकर व उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर लोगो में दहशत पैदा करने वाले दबंग बादशाह सम्राट गैंग के 14 सदस्यों को गिरफ्तार किय है। इन सभी के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर के निर्देश पर पुलिस ने यह कार्रवाई की है। इसके तहत पुलिस ने चन्दन चौहान पुत्र मनीष चौहान भीखमपुरा कुरमहा थाना बरहज जनपद, शिवप्रताप यादव पुत्र स्व अवधेश यादव खुदिया खुर्द थाना मदनपुर, विकास गोड़ पुत्र राजेन्द्र गोड़ निवासी नकईल थाना मदनपुर, धर्मवीर सिंह पुत्र रामअनुज सिंह निवासी केवटलिया थाना मदनपुर, अमित यादव पुत्र रामाश्रय यादव निवासी केवटलिया थाना मदनपुर, विकास यादव पुत्र निरेन्द्र यादव निवासी मनिहरपुर थाना मदनपुर, अतुल सिंह पुत्र रामनरायन सिंह निवासी समोगर थाना मदनपुर, मनीष चौहान पुत्र अवधेश चौहान निवासी नकईल थाना मदनपुर, शिवेन्द्र सिंह पुत्र रामभरोसा सिंह निवासी नकईल थाना मदनपुर, प्रदीप यादव पुत्र नक्षत्र यादव निवासी केवटलिया थाना मदनपुर, अमन पाल पुत्र रमेश पाल निवासी देवकली जयराम थाना मदनपुर, हिमांशु यादव पुत्र ओमप्रकाश यादव निवासी केवटलिया थाना मदनपुर, संदीप मिश्रा पुत्र हरेराम मिश्रा निवासी केवटलिया थाना मदनपुर व नीरज गुप्ता पुत्र राजकुमार गुप्ता निवासी नकईल थाना मदनपुर को गिरफ्तार किया है।

सफाई कर्मी स्वच्छता की महत्वपूर्ण कड़ी—डीएम

संवाददाता—श्रावस्ती। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से सफाई कर्मियों के स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए अनोखी पहल की गई। जिसके तहत रेडक्रॉस अध्यक्ष जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने नगर पालिका भिनगा के सफाई कर्मियों को हायजीन किट और मास्क दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सफाईकर्मी स्वच्छता की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। शहर को साफ करते करते इनकी स्वयं की स्वच्छता और स्वास्थ्य न प्रभावित हो, इसलिए सभी सफाईकर्मियों को रेडक्रॉस के माध्यम से हायजीन किट और मास्क दिया जा रहा है। जिसका प्रयोग यह अपने दैनिक जीवन में करके स्वयं की स्वच्छता बनाये रखें और स्वस्थ रहें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सफाई कर्मी को उच्च गुणवत्ता के दो मास्क व एक हायजीन किट दी गयी है। हायजीन किट में सेनेटरी पैड, सर्फ, कपड़ा धोने का साबुन, नहाने का साबुन, तेल, सेविंग किट दी गयी है। इस दौरान अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि रेडक्रॉस प्रतिवर्ष सफाईकर्मियों को हायजीन किट देकर स्वच्छता के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे उन्हें व्यक्तिगत स्वच्छता के प्रति प्रोत्साहन मिलता है। इस अवसर पर रेडक्रॉस सचिव अरुण कुमार मिश्र, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका भिनगा डॉ अनीता शुक्ला, शासकीय अधिवक्ता श्रवण कुमार द्विवेदी सहित रेडक्रॉस के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का मिला शव, गले और सिर पर चोट के निशान हत्या की आशंका

संवाददाता—गोण्डा। घर से लकड़ी बीनने गई महिला देर रात तक वापस नहीं लौटी तो परिजनों ने खोजबीन शुरू किया। परिवार के साथ उसकी बेटी भी खोजबीन कर रही थी। खोजते— खोजते वह रात में ईट भट्ठे के पास पहुंची तो भट्ठे के अंदर महिला खून से लतपथ पड़ी थी। उसके सिर और गले पर चोट के निशान थे। परिवार के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जिले के खोड़ारे थाना के गांव बिछिया डांड के रहने वाले रामकेश ने पुलिस को सूचना दी की उनकी भाभी आशा देवी 50 वर्ष पत्नी स्वर्गीय नेबु लाल शनिवार की शाम लकड़ी बीनने पुराने ईट भट्ठे की तरफ गई थी। देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटी तो उनकी लड़की निशा खोजने गई। तो आशा देवी अचेत अवस्था में ईट भट्ठे के अंदर पड़ी थी। उनके सिर और गले पर चोट के निशान थे। परिवार के लोग उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनान ले गए। जबकि उनकी मृत्यु पहले ही हो चुकी थी। डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि हमारी किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मृतक के देवर की सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पूरे घटनाक्रम की हर एंगल से जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाशिवरात्रि को लेकर प्रशासन सतर्क, इटहिया पहुंचे डीएम—एसपी

संवाददाता—महराजगंज। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। डीएम अनुनय झा व एसपी सोमेन्द्र मीना ने प्रसिद्ध पंचमुखी इटहिया शिव मंदिर पहुंचकर निरीक्षण किया। त्योहार के दिन पुख्ता इंतजाम करने के लिए मातहतों को निर्देश दिया। खासकर महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरतने और सादे कपड़े में सुरक्षा कर्मियों को पर्याप्त संख्या में तैनात करने को कहा। पंचमुखी शिवमन्दिर पहुंचकर अधिकारियों ने महा शिवरात्रि में लगने वाले मेले की तैयारियों की हकीकत जानी। इस दौरान उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष सतर्कता बरतने और सादे कपड़ों में पुलिस कर्मी तैनात रखने का निर्देश दिया। मेले की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से करने का निर्देश दिया। इस दौरान एसडीएम निचलौल शैलेन्द्र कुमार, सीओ अनुज कुमार सिंह, प्रभारी कोतवाल राघवेंद्र सिंह सहित अन्य तमाम लोग मौजूद रहे। इस मौके पर दोनों अधिकारियों ने मंदिर में पूजन—अर्चन व जलाभिषेक किया।

26 फरवरी से शुरू होने वाले सावन मेले की तैयारी पूरी कर ली गई है। लेकर सुरक्षा व्यवस्था के साथ अन्य सभी मुद्दों पर अधिकारियों ने चर्चा की। मेले में आए हुए सभी श्रद्धालु शिव भक्तों को किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो, इसके लिए प्रशासन बेहद सजग व जागरूक है। मेले में भीड़ बेतरतीब ना हो इसके लिए जगह—जगह प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की जाएगी। साथ ही मेले की निगरानी के लिए मंदिर के चारों तरफ 22 सीसीटीवी कैमरा लगाए जाएंगे। अराजक तत्वों पर निगरानी की जाएगी। मंदिर परिसर की सफाई, बिजली, पानी, शौचालय व्यवस्था ठीक करने, मेले की व्यवस्था में लगे कर्मचारियों के रहने व खाने पीने की व्यवस्था पर चर्चा के साथ दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं को समुचित सुरक्षा सुविधा के लिए मातहतों को डीएम—एसपी ने आवश्यक निर्देश दिया। इस दौरान लक्ष्मीपुर चौकी इंचार्ज अभय नारायण सिंह, लेखपाल अजय कसौधन, मंदिर के पुजारी ध्यानचंद गिरी, मुन्ना गिरी, कपिल देव कुशवाहा, हरिशंकर यादव आदि मौजूद रहे।

तटबंध न होने से हर साल मुसीबत बनती है पहाड़ी नालों की बाढ़

संवाददाता—बलरामपुर। तराई क्षेत्र में पहाड़ी नालों की बाढ़ हर साल मुसीबत का सबब बनती है। सैकड़ो हेक्टेयर फसल जलमग्न होकर तबाह हो जाती है। नाला किनारे लगी फसलें रेत में दफन हो जाती है। राहगीरों को पानी में घुसकर मंजिल तक पहुंचना पड़ता है। दर्जन भर गांव ऐसे हैं जहां बाढ़ का पानी लोगों के घरों में घुसकर नुकसान पहुंचाता है। नाला किनारे तटबंध बनाने की मांग अरसे से चली आ रही है, लेकिन उस पर अमल नहीं किया जाता। नाले की सिल्ट सफाई का काम भी लम्बे समय से नहीं कराया गया है। वर्षा ऋतु आते ही तराई वाशिंदों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच जाती हैं। अभी भी यदि इस समस्या के समाधान के लिए जुगत की जाए तो लोगों का दर्द कम किया जा सकता है। तराई क्षेत्र में पहाड़ी नालों की बहुलता है। खरझार, कचनी, धोबैनिया, जमधरा आदि नाले पहाड़ों पर वर्षा होते ही उफना जाते हैं। जब भी पहाड़ पर वर्षा होती है उसी समय तराई के इलाकों में बाढ़ का कहर बरपता है। सबसे अधिक नुकसान हर्रैया, ललिया व महराजगंज तराई क्षेत्र में होता है। सभी नाले आगे जाकर राप्ती नदी में मिल जाते हैं। खरझार में तीन पहाड़ी नालों का संगम होता है। यह नाला वर्षाकाल में विकराल रूप धारण कर लेता है। इस नाले का पानी शांतिनगर, लोहेपनिया, साहबनगर, कनहरा, दांदव, विजयीडीह, सुगानगर, गडरियनपुरवा सहित कई दर्जन गांव में घुसता है। नाले में बाढ़ केवल एक बार नहीं आती।

10 लाख भारतीय रुपये के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। सीमा क्षेत्र से भारतीय रुपये नेपाल ले जाते समय लक्ष्मीपुर खुर्द पुलिस चौकी इंचार्ज ने दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की एक बाइक सवार दो लोग भारतीय रुपये लेकर लक्ष्मीपुर खुर्द के रास्ते नेपाल जाने वाले हैं। इस पर पुलिस जांच करने लगी। इस दौरान एक बाइक सवार दो युवक आते दिखे। संदिग्ध होने पर पुलिस ने युवकों की तलाशी ली तो 10 लाख भारतीय रकम बरामद हुई। पकड़े गए आरोपी की पहचान अजय कुमार बनिया निवासी प्रतापपुर बड़ा नंबर चार बर्दघाट थाना बेलाटारी जिला नवलपरासी नेपाल, दूसरे युवक की पहचान आकाश चौहान ग्राम प्रतापपुर वड़ा नंबर 4 हरखपुरा थाना बेलाटारी जिला नवलपरासी नेपाल के रूप में हुई। ठूठीबारी कोतवाली प्रभारी राघवेंद्र सिंह के अनुसार, 10 लाख भारतीय करेंसी के साथ पकड़े गए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना में श्रावस्ती प्रदेश में अव्वल

संवाददाता—श्रावस्ती। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास प्रोत्साहन योजना में श्रावस्ती ने प्रथम स्थान हासिल किया है। इससे डीएम ने खुशी जाहिर की है। उन्होंने और मेहनत से काम करने के लिए अधिकारियों को प्रोत्साहित किया है। डीएम अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि जिले में 2024—25 के लिए 700 ऋण आवेदन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसमें अब तक 1315 आवेदकों ने आवेदन किया है। इससे प्रदेश के 74 जिलों को पीछे छोड़ते हुए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास प्रोत्साहन योजना में अव्वल स्थान हासिल किया है। आवेदन और इसके लाभार्थियों को लाभ दिलाने में उत्तर प्रदेश में जिले को नंबर वन जगह मिली है। उन्होंने ने बताया कि जिले को 700 ऋण आवेदन का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसमें अब तक 1315 आवेदक मिले हैं और विभाग की ओर से बैंकों को 1284 आवेदन भेजा जा चुका है। जिसमें बैंकों द्वारा 204 आवेदन में ऋण स्वीकृत किया गया है। डीएम ने बताया कि 15 फरवरी तक प्राप्त लक्ष्यों के अनुसार श्रावस्ती को प्रदेश में सीएम युवा योजनान्तर्गत प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

शिविर लगाकर की गई आंखों की जांच

संवाददाता—श्रावस्ती। इकौना ब्लॉक की ग्राम पंचायत सेमगढ़ा शनिवार को निशुल्क नेत्र स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर एनीमिया स्क्रीनिंग भी की गई। जिसमें डॉक्टर एके द्विवेदी ने 50 मरीजों का नेत्र परीक्षण करके निशुल्क दवाएं वितरित किया। मरीजों को डॉक्टर अभिनाश पांडेय ने हाइपर टेंशन वह डायबिटिक तथा एनीमिया के लक्षण व बचाव के उपाय बताए। इसके साथ ही किशोरियों को आयरन का वितरण किया गया। इस मौके पर प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अंबुज सिंह, फार्मासिस्ट दिलीप शुक्ला,हंस सखी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आपस में भिड़े तीन वाहन, दो की मौत, नेपाल के तीन श्रद्धालुओं की हालत गंभीर

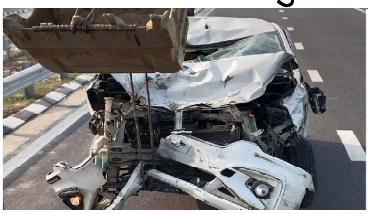

संवाददाता–गोरखपुर। निर्माणाधीन एक्सप्रेस–वे पर भगवानपुर के पास रविवार की सुबह एक भयावह सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि महाकुंभ से लौट रहे नेपाल के तीन श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह दुर्घटना सुबह करीब 5:30 बजे भगवानपुर में टोल प्लाजा से 200 मीटर पहले खजनी क्षेत्र में हुई।

ये हादसा उस समय हुआ जब महाकुंभ से लौट रही एक चार पहिया वाहन (अर्टिगा) और महाकुंभ जा रही दूसरी चार पहिया वाहन (मारुति नेक्सा) आमने–सामने से टकरा गई। इसी दौरान नेक्सा कार के पीछे से आ रही एक मोटरसाइकिल तेजी से आकर अर्टिगा से टकरा गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल गोरखपुर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान पीपीगंज के राजवारी गांव में रहने वाले अवधेश और जसवल के रहने वाले 45 वर्षीय धनेश जायसवाल के रूप में हुई है। इसके अलावा, अर्टिगा कार में सवार सात लोगों में से तीन लोग भी घायल हो गए।

घायलों में 52 वर्षीय लक्ष्मी पत्नी वैद्यनाथ निवासी दिल्ली, हाल पता काठमांडू (नेपाल), ऊषा दीक्षित पत्नी गिरीश भट्ट निवासी बंगलुरु, हाल पता काठमांडू (नेपाल), 50 वर्षीय अवधेश निवासी दिल्ली, हाल पता काठमांडू, (नेपाल) शामिल हैं। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

दुर्घटना के बाद करीब एक घंटे तक एक्सप्रेस–वे पर वाहनों का आवागमन ठप रहा। खजनी पुलिस ने दोनों कार को सड़क से किनारे हटवाकर आवागमन शुरू कराया। स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन प्राथमिक जांच में यह माना जा रहा है कि तेज रफ्तार और सड़क पर धुंध के कारण दुर्घटना हुई है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों से संपर्क किया है और घायलों के इलाज में हर संभव मदद का आश्वासन दिलाया है।

स्थानीय लोगों ने निर्माणाधीन एक्सप्रेस–वे पर पर्याप्त सुरक्षा उपायों की कमी को भी इस हादसे का एक कारण बताया है। 15 दिन पहले भी महाकुंभ से लौट रहे कार सवार बिहार के तीन श्रद्धालुओं की एक्सप्रेव–वे पर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

गो तस्करों से पुलिस की मुठभेड़, पैर में गोली लगने से गैंग लीडर घायल, तीन साथी फरार

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। शनिवार की रात पुलिस और पिकअप सवार गो तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आजमगढ़ निवासी बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। जबकि उसके तीन साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। मामला जैतपुर थाना क्षेत्र के पक्खनपुर गांव स्थित गोशाला का है। यहां बीती 10 फरवरी को पिकअप सवार चोरों ने तीन गोवंश चोरी कर लिए थे। इसके बाद 12 फरवरी की रात चोरों ने एक बार फिर गोशाला से दो मवेशी चोरी कर लिए। प्रधान की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज करके छानबीन शुरू की। शनिवार की रात पुलिस को गोवंशों को चोरी करने वाले गिरोह के बारे में सूचना मिली। इस पर थाना प्रभारी वंदना अग्रहरि ने टीम के साथ ब्रह्म स्थान जंगल के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर पिकअप सवार गो–तस्करों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जबकि तीन साथी फरार हो गए। घायल बदमाश की पहचान दिलशाद उर्फ करिया निवासी मेहियापार, थाना अहिरौला, जनपद आजमगढ़ के रूप में हुई। पूछताछ में उसने बताया कि वह गैंग का लीडर है। गैंग में शामिल परवेज, तबरेज निवासी शाहपुर सरैया, दानिश निवासी मेहियापार आजमगढ़ मौके से भाग निकलने में कामयाब रहे। एएसपी विशाल पांडेय ने बताया कि फरार अपराधियों की तलाश की जा रही है। गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जाएगी।

रासेयो इकाइयों ने गांवों में लगाया विशेष शिविर

संवाददाता–गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) की इकाइयों (माता शबरी एवं पारिजात इकाई) ने रविवार को विभिन्न ग्रामों में विशेष शिविर का आयोजन किया। इस दौरान ग्रामीणों को सामाजिक एवं स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर जागरूक किया। विश्वविद्यालय के फार्मास्युटिकल विज्ञान संकाय में संचालित रासेयो की माता शबरी इकाई की तरफ से रहमत नगर, मानीराम में आयोजित शिविर में ग्रामीणों को स्वच्छता, कैंसर से बचाव, नशा मुक्ति जैसे सामयिक विषयों पर जानकारी दी गई। शिविर का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने किया। आयोजन में ग्राम प्रधान कृष्ण मोहन चौधरी का विशेष सहयोग रहा। रासेयो की पारिजात इकाई ने सिकटौर में शिविर लगाया। डॉ. विमल कुमार और डॉ. अखिलेश दुबे के मार्गदर्शन में शिविर का नेतृत्व डॉ. आयुष कुमार पाठक ने किया। शिविर में ग्राम प्रधान राकेश सिंह का विशेष सहयोग रहा।

मिठाई की दुकान में मिली गंदगी, खोवा व मिल्ककेक जांच के लिए भेजा

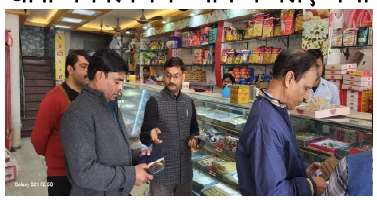

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय सतीश कुमार के निर्देशन में जनपद में मिलावटी खाद्य पदार्थों पर अंकुश लगाने व लोगों को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। शहर के आजाद चौक के पास एक दुकान पर जांच की कार्रवाई की गई। दुकान से खोवा व मिल्ककेक का नमूना लेकर जांच के लिए भेजा गया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह खाद्य सुरक्षा अधिकारी सच्चिदानंद गुप्त व मिश्री लाल व अन्य की टीम आजाद चौक पहुंची। यहां पर कस्तूरी स्वीट्स दुकान की जांच की कार्यस्थल पर मानक के अनुरूप साफ सफाई ठीक नहीं रही। इस पर उन्हें चेतावनी दी गई है। दुकान से एक नमूना खोये का व एक नमूना मिल्क केक का संग्रहीत किया गया। इस प्रकार कुल दो नमूने संग्रहीत कर जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला में भेज दिया गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर दुकानदार के खिलाफ काठोर कार्रवाई की जाएगी। जांच अधिकारियों ने प्रतिष्ठान के संचालक को व्यवस्था ठीक रखने की कठोर चेतावनी दी।

भव्य मंदिर बनने के बाद बदल गई रामनगरी –प्रह्लाद मोदी

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाई प्रहलाद मोदी पहुंचे हैं। यहां उन्होंने रामलला के दर्शन किए। इसके बाद सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि 500 वर्ष बाद रामलला का भव्य मंदिर बनने के बाद अयोध्या में कई तरह का बदलाव आया है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं।

प्रहलाद मोदी ने कहा कि जिन लोगों ने 500 वर्षों में राम मंदिर के लिए अपने बलिदान दिए हैं। समाज उसे कभी भुला नहीं पाएगा। कुंभ की व्यवस्थाओं को लेकर कहा कि मैं तो कुंभ नहीं गया, लेकिन जो लोगों से सुना है कि वहां पर बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। कुछ लोग इसकी बुराई भी कर रहे हैं।

कहा कि जैसे त्रेता युग में यज्ञ हुआ करता था, वैसे ही कुंभ के रूप में यहां यज्ञ हो रहा है। यज्ञ को भंग करने के लिए कुछ राक्षस व्यवधान पैदा करते थे, उसी तरह कुंभ को लेकर भी कुछ लोग ऐसे हैं जो तरह–तरह की बातें कर रहे हैं। कुंभ की अच्छी व्यवस्था के लिए सीएम योगी की दिव्य दृष्टि व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीधे तौर पर जुड़ाव को श्रेय जाता है।

शव लेकर जा रही एंबुलेंस कंटेनर से टकराई, चार घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में महगर के हनुमान मंदिर के पास दिल्ली से बिहार के बेंगूसराय शव लेकर जा रही एक एंबुलेंस रविवार को कंटेनर में पीछे से घुस गई। एम्बुलेंस में सवार चार लोग घायल हो गए। ये लोग बिहार के बेंगूसराय जिले निवासी हैं। इन लोगों ने गोरखपुर के किसी अस्पताल में इलाज कराया। दूसरी एंबुलेंस की व्यवस्था कर शव लेकर आगे चले गए। इसी दौरान आ रही एक अन्य ट्रक में भी पीछे से दो अन्य कार एक दूसरे से टकरा गईं। हालांकि दुर्घटना में कोई घायल नहीं हुआ। मगहर चौकी पुलिस के अनुसार रविवार की सुबह दिल्ली से शव लेकर एक प्राइवेट एम्बुलेंस बिहार के बेंगूसराय जा रही थी। यह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित हनुमान मंदिर के निकट पहुंची थी। इसी दौरान वहां उठ रहे धुंए से कोहरा जैसा मौसम हो गया और अंधेरा छा गया। इससे दिखना बंद हो गया था। इस बीच वहां खड़े अज्ञात कन्टेनर से एम्बुलेंस

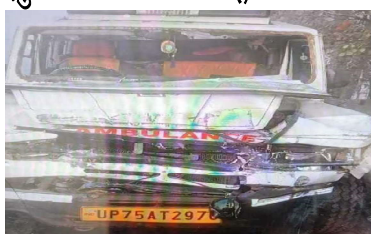

भिड़ गई। इस दुर्घटना में इस्लामाबाद मैनपुरी निवासी चालक अंशु पुत्र रामवीर, निवासी ऊंचा दिल्ली से बेंगूसराय बिहार लाश ले जा रहे पाण्डव साहनी पुत्र श्याम सैनी, किशोर साहनी पुत्र कलेसर व राजेश कुमार पुत्र बलदेव घायल हो गए। घटना के बाद कन्टेनर फरार हो गया। एंबुलेंस चालक ने सभी के साथ गोरखपुर के किसी अस्पताल में इलाज कराया। एंबुलेंस चालक ने बताया गया शव ले जाने के लिए दूसरी एंबुलेंस वाहन की व्यवस्था की गई है। इसके बाद सभी शव लेकर रवाना हो गए।

इसी दौरान एक और दुर्घटना हुई। उसी समय एक ट्रक मंदिर के पास से गुजर रहा था। ट्रक ने धुंआ देखकर जैसे ही ट्रक धीमी किया तो उसके पीछे चल रही दो कार और भिड़ गई। हालांकि दोनों कारों में कोई घायल नहीं हुआ। दोनों दुर्घटनाओं में कंटेनर व ट्रक दुर्घटना के बाद फरार हो गए।

सास बहू की मौत पर लगाया था जाम, पुलिस ने भेजा जेल

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा थाना क्षेत्र के लौहरैया चौराहे के पास 25 दिन पूर्व मार्ग दुर्घटना में सास–बहू की मौत हो गई थी। इस दौरान शव को सड़क पर रखकर ग्रामीणों ने राम जानकी मार्ग को जाम कर दिया था। इस दौरान पुलिस ने मार्ग अवरोध करने वाले लोगों पर मुकदमा दर्ज किया। मामले में पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया। 20 जनवरी को टांडा चौराहे के पास मार्ग दुर्घटना में उषा देवी व उसकी बहू की मौत हो गई थी। ग्रामीणों ने सड़क को दो दिन बाद शव को रख कर जाम कर दिया था। इस दौरान पुलिस ने जाम करने वाले लोगों पर मुकदमा दर्ज किया। राजमार्ग जाम करने के आरोप में शनिवार को उमेश, मुकेश, दीनानाथ, उषा देवी, सुशीला, संतराम, गुड्डी, संतरा सहित आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस दौरान उप निरीक्षक रविंद्र नाथ यादव, कांस्टेबल रागिनी सिंह और सीता यादव की टीम मौजूद रही।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जूण्डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–556/2022
आनन्द प्रकाश
बनाम
ईश्वरचन्द्र आदि
1. ईश्वरचन्द्र 2. रमेश चन्द्र पुत्रगण कृष्णलाल 3. श्रीमती निर्मला देवी बेवा सुशील चन्द्र 4. श्रीमती नीलम देवी बेवा विशाल 5. युवराज उम्र 9 साल नाबालिग पुत्र विशाल बवलायत नीलम देवी माता हकीकी साकिनान बानपुर तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती पोस्ट बानपुर हाल मुकाम भिलाई बसन्त टाकीज के पीछे वार्ड सं0–21 कैम्प नं0–1 भिलाई प्रान्त छत्तीसगढ़
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
6. जिवय प्रकाश 7. ओम प्रकाश 8. जय प्रकाश पुत्रगण हरिश्चद्र साकिनान बानपुर तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
9. नितिन 10. नितिश पुत्रगण राम आनन्द 11. अंकित 12. नवनीत 13. सचिन पुत्रगण परमानन्द साकिनान बानपुर तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम ग्राम व पोस्ट महराजगंज तहसील महराजगंज जिला–रायबरेली
–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग
तारीख पेशी 20–02–2025
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सरुश हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

भाजपा नेता की मौत पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने ग्राम सभा चांडी निवासी भाजपा मंडल उपाध्यक्ष संतोष राय से रविवार को मोबाइल पर बात की। संतोष राय के पिता चंद्रभान राय की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। फोन पर हुई बातचीत में अजय राय ने कहा कि इस दुख की घड़ी में वे परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार के लिए पिता का निधन अपूरणीय क्षति है। संतोष राय से बात कांग्रेस के प्रदेश महासचिव युवा सीपी राय ने कराई। इस दौरान युवक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस अभिजीत पाठक, प्रदेश सचिव ललित निषाद, शिवम चतुर्वेदी, प्रदेश प्रवक्ता अंकित पांडेय, युवा जिला अध्यक्ष सूरज यादव, मनीष साहनी, देवेंद्र निषाद, डॉ शकील अंसारी, सौरभ राय, गौरव राय समेत अन्य उपस्थित रहे।

नदी में डूबे युवक का शव मिला

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा क्षेत्र के जोगिया गांव के पास गोर्रा नदी में डूबे 28 वर्षीय हरिकेश निषाद के शव को ग्रामीण व गोताखोरों ने एसडीआरएफ टीम के साथ मिलकर रविवार को ढूंढ निकाला। झंगहा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। झंगहा क्षेत्र के सघना बंगला टोला निवासी हरिकेश निषाद पुत्र इंदल निषाद शुक्रवार को जोगिया गांव के पास गोर्रा नदी में मछली पकड़ने गया था। जहां मछली पकड़ने के दौरान वह गहरे पानी में डूब गया था। पहले दिन स्थानीय लोगों ने उसे ढूंढने का काफी प्रयास किया लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। शनिवार को हरिकेश का शव ढूंढने पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने छह घंटे तक प्रयास किया लेकिन शव नहीं मिला। जिगिनियहवा निवासी राजेश पासवान, मनोज निषाद, रविन्द्र साहनी, ध्रुप पासवान, दीपचंद निषाद, चंद्रपाल निषाद और रामसजीले निषाद ने दिन में एक बजे हरिकेश के शव को ढूंढ निकाला।

गुजरात से दौड़ लगाते हुए रामलला के दर्शन करने रामनगरी पहुंचे धावक, तय किया 1500 किमी का सफर

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में रामलला के दर्शन की चाह हो तो कोई भी बाधा आड़े नहीं आ सकती। ऐसे ही दो धावक हैं, जो रामलला के दर्शन करने के लिए 1500 किमी दूर गुजरात के वापी से दौड़ लगाते हुए अयोध्या पहुंचे हैं। दोनों धावक प्रतिदिन 60 किमी की दौड़ लगाते थे।

गुजरात के वापी से रामलला दर्शन के लिए 22 जनवरी को दोनों धावकों ने दौड़ शुरू की थी। यह वही तारीख है, जिस दिन भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। ठीक एक वर्ष बाद दोनों धावक रामलला दर्शन के लिए दौड़ लगाते हुए अयोध्या पहुंचे हैं।

शहर के स्पोर्टस स्टेडियम में दोनों धावकों का स्वागत किया गया। दोनों धावकों ने बताया कि सनातन धर्म से जुड़ी हुई हमारी आस्था भगवान राम की नगरी की ओर खींच लाई। 1500 किमी की यात्रा कर वह अयोध्या पहुंचे हैं। अब रामलला के दर्शन करेंगे।

इन दोनों धावकों के साथ कार से एक टीम भी चल रही थी, जो नाश्ता खाना और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रही थी। वैसे तो इस दौड़ को मैराथन कहा जाता है लेकिन जब रामलला के दर्शन की चाह हो तो दोनों धावकों ने इसका नाम रामाथन कर दिया है।

सफल प्रबंधक बनने के लिए एक अच्छा इंसान बनना जरूरी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। कुलपति प्रो. कविता शाह ने कहा कि एक सफल प्रबंधक बनने के लिए सबसे पहले एक अच्छा इंसान बनना जरूरी है। ये बातें सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित व्याख्यान में कुलपति प्रो.कविता शाह ने कहीं। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों, सहानुभूति, धैर्य और अनुशासन जैसे गुण केवल प्रबंधन क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता की कुंजी है। इस दृष्टि से जातक अट्ठकथाएं मानवता और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण प्रबंधन का बहुत ही प्रभावी और अनुकरणीय माध्यम है। भारत सरकार के स्पात मंत्रालय के पूर्व निदेशक डॉ.जसवीर सिंह चावला ने कहा कि श्रेष्ठ प्रबंधन के अधिष्ठान की सार्थकता सही निर्णय शुभ–शुभ पर आधारित हो, जिसमें किसी भी पक्ष की हार न हो और सभी अपने को प्रबंधन के निर्णय से लाभान्वित अनुभव करें। उन्होंने जातक अट्ठकथाओं के माध्यम से नेतृत्व, नैतिकता, निर्णय क्षमता और संगठनात्मक विकास जैसे विषयों को बौद्ध शिक्षाओं के संदर्भ में अपने विचार रखे।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 21/2021
रामचन्द्र
बनाम
राममिलन
1/2/1 श्रीमती इन्द्रा पत्नी विजई 1/2/2 कु0 नयना 1/2/3 कु0 प्रीति 1/2/4 कु0 काजल पुत्रीगण विजई संरक्षिका माता श्रीमती इन्द्रा 1/2/5 विश्वनवे उर्फ भोला पुत्र विजई संरक्षिका माता श्रीमती इन्द्रा निवासीगण ग्राम कोल्हुआ तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 03–03–2025
चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2025 के माह 03 के 03 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2025 के माह 02 के 15 दिवस को निकाली गयी। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जूण्डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 07/2025
रामसुरेश –सायल
1. राम सुरेश उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र बालेदीन साकिन साहूपार तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 20–03–2025
प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी 20–03–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा। अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

रेलवे स्टेशन से महाकुंभ स्पेशल ट्रेनें गुजरने के दौरान अलर्ट जारी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे के बाद अंबेडकरनगर रेलवे स्टेशन से महाकुंभ स्पेशल ट्रेनें गुजरने के दौरान अलर्ट जारी किया गया है। तय समय से एक घंटा देरी से महाकुंभ स्पेशल ट्रेन पहुंची तो बड़ी संख्या के श्रद्धालु चढ़ने लगे। इस दौरान आरपीएफ और जीआरपी के जवान श्रद्धालुओं को एहतियात के साथ चढ़ने की अपील करते नजर आए। इसी बीच महाकुंभ स्पेशल के इंजन में आई तकनीकी खराबी के चलते प्लेटफॉर्म नंबर एक पर गोरखपुर से चलकर दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल जाने वाली ट्रेन को प्लेटफॉर्म नंबर–2 पर डायवर्ट कर दिया गया। इसका अनाउंसमेंट होते ही अचानक लोग फुट ओवर ब्रिज की ओर यात्री भागने लगे। दिल्ली के लिए यात्रियों की संख्या अधिक होने के कारण रेलवे के जवान भी सकते में आ गए। कई लोग रेलवे पटरी पर उतरकर प्लेटफॉर्म नंबर–2 पर जाने लगे। इन्हें रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं रहा।

रेलवे स्टेशन पर देर रात श्रद्धालुओं की उमड़ी रही भीड़, सुबह अधिकारियों ने लिया जायजा

संवाददाता–गोरखपुर। प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में भीड़ नहीं थी लेकिन रात आठ बजे के बाद भीड़ बढ़नी शुरू हुई। स्पेशल ट्रेनें चलाकर श्रद्धालुओं को भेज दिया गया। लेकिन रात करीब 12 बजे के बाद स्टेशन पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी और रात करीब एक बजे भीड़ बढ़ गई। रेलवे स्टेशन पर शनिवार की देर रात प्रयागराज महाकुंभ जाने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट गई। रेल प्रशासन ने आनन–फानन में स्पेशल ट्रेनें चलाकर श्रद्धालुओं को रवाना किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जीआरपी और आरपीएफ को खासा मशक्कत करनी पड़ी। रात करीब पौने दो बजे चौरीचौरा स्पेशल चलाकर श्रद्धालुओं को भेजा गया।

उधर, दिल्ली में भगदड़ के

दौरान हुई मौत के बाद रेलवे स्टेशन पर अलर्ट घोषित कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार को दिन में प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में भीड़ नहीं थी लेकिन रात आठ बजे के बाद भीड़ बढ़नी शुरू हुई। स्पेशल ट्रेनें चलाकर श्रद्धालुओं को भेज दिया गया।

लेकिन रात करीब 12 बजे के बाद स्टेशन पर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी और रात करीब एक बजे भीड़ बढ़ गई और दो स्पेशल ट्रेनें प्लेटफॉर्म पर खड़ी कर श्रद्धालुओं को बैठाया गया। भीड़ को संभालने के लिए जीआरपी और आरपीएफ के जवान जुटे रहे। सबसे अंतिम ट्रेन चौरीचौरा स्पेशल रवाना की गई तब जाकर स्थिति सामान्य हुई।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com